सुविचार

"प्यार कभी निष्फल नहीं होता; चरित्र कभी नहीं हारता; और धैर्य और दृढ़ता से सपने अवश्य सच हो जाते हैं।" - पीट मेराविच

दैनिक

इंटीग्रेटेड ट्रेड

डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

आरएनआई नं.
MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं.
MP/BHOPAL/4-504/2020-22

वर्ष-5 अंक-128, भोपाल मंगलवार 22 मार्च 2022, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

बोनस अंक देने में किया जा रहा भेदभाव : हाईकोर्ट

बिलासपुर। बिजली विभाग में लाइनमैन के 3 हजार पदों पर भर्ती का मामला अटक गया है। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने बोनस अंक देने में भेदभाव करने के कारण भर्ती पर रोक लगा दी है। हाईकोर्ट ने भर्ती के विज्ञापन को निरस्त कर नए सिरे से भर्ती प्रक्रिया शुरू करने का आदेश दिया है।

छत्तीसगढ़ राज्य पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी ने परिचारक (लाइनमैन) के 3000 पदों पर सीधी भर्ती के लिए 12 अगस्त को विज्ञापन जारी किया था। इसमें करीब एक लाख 36 हजार बेरोजगार युवाओं ने आवेदन किया था। चयन का आधार 10 वीं बोर्ड परीक्षा में प्राप्त अंक और पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी में कार्य अनुभव के बोनस अंक मिलाकर बनाई गई। भर्ती मेरिट लिस्ट के आधार पर किया जाना था। 10वीं में प्राप्त अंकों के प्रतिशत को 70 प्रतिशत वेटेज देना था। इसी तरह कार्य अनुभव के लिए एक से तीन साल तक के अनुभवी को 20 अंक और तीन साल से ज्यादा का अनुभव वाले को 30 अंक देने का प्रावधान रखा गया था। याचिकाकर्ता बेखराम साहू ने अपनी याचिका में आरोप लगाया कि विद्युत वितरण कंपनी ने भर्ती में संविदा कर्मियों को प्राथमिकता देने के साथ ही उनकी नियुक्ति की तैयारी कर ली है। इसी हिसाब से अनुभव अंक वाले को प्राथमिकता दी जा रही है, जो संवैधानिक नहीं है।

-टिकट कटने के भय से अपना नया ठिकाना तलाशने लगे नेता

हिमाचल- वर्तमान कांग्रेस विधायक सहित चार पूर्व विधायक आप में जाने की जुगत में

शिमला। हिमाचल प्रदेश कांग्रेस में भगदड़ की स्थित बन गई है सोशल मिडिया द्वारा एक पोस्टर में एक मौजूदा विधायक सहित चार पूर्व विधायकों के आम आदमी पार्टी में शामिल होने की चर्चाओं का बाजार गर्म होने लगा है। जिससे प्रदेश की राजनिति में खलबली मच गई है। प्रदेश में इस साल के अंत में चुनाव होने जा रहे हैं। जिससे कई नेता अपना भविष्य सुरक्षित करने के लिये आम आदमी पार्टी का दामन थामने की तैयारी में हैं। इस मामले को लेकर सोशल मिडिया में अच्छी खासी बहस छिडी है। लोग पूर्व विधायकों के आप में आने का विरोध भी कर रहे हैं। जाने माने चिंतक देवाशीष भट्टाचार्य ने अपनी पोस्ट में कहा है कि हिमाचल उस आप को स्वीकार नहीं कर सकता है जो भाजपा या कांग्रेस के क्रॉसओवर से प्रभावित होगा। मुझे पूरी उम्मीद है कि हिमाचल में आप यह गलती नहीं करेगी। आम आदमी पार्टी में हिमाचल प्रदेश के आम व्यक्ति शामिल होने चाहिए न कि भाजपा और कांग्रेस के वीआईपी। प्रवासी पक्षियों को हतोत्साहित किया जाना चाहिए।

दरअसल, सोशल मीडिया पर कांग्रेस के पूर्व मंत्री एवं धर्मशाला के पूर्व विधायक सुधीर शर्मा, पूर्व सीपीएस जगजीवन पाल, जयसिंहपुर से पूर्व विधायक यादविंदर गोमा, कांगड़ा के मौजूदा विधायक पवन काजल व ज्वालामुखी के पूर्व विधायक संजय रतन के आम आदमी पार्टी में शामिल होने का पोस्टर वायरल हो रहा है। कांग्रेस पार्टी के कई नेताओं को बदले हालातों में लगने लगा है कि आने वाले चुनावों में उनका टिकट कट सकता है। ऐसे नेता अभी से ही अपना नया ठौर ठिकाना तलाशने लगे हैं।

जानकारी के मुताबिक, इस पोस्टर के ऊपरी भाग में अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान का फोटो लगाया गया है। नीचे सुधीर शर्मा, जगजीवन पाल, पवन काजल, संजय रतन व यादविंदर गोमा की फोटो लगाकर' अलविदा कांग्रेस' लिखा गया है। सोशल मीडिया में पोस्टर वायरल हो रहा है, जिसमें लिखा गया है कि सभी आम आदमी पार्टी में जा रहे हैं।

हालांकि, वायरल हो रहे इस पोस्टर को लेकर यादविंदर गोमा ने पुलिस अधीक्षक कांगड़ा को लिखित शिकायत दी है और पोस्टर वायरल करने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि इससे उनकी राजनीतिक छवि खराब करने का प्रयास किया जा रहा है। यादविंदर गोमा ने कहा कि हम सभी कांग्रेस के सच्चे सिपाही हैं। उन्होंने जयसिंहपुर निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा और वर्ष 2012 में जीता। रविवार को कांग्रेस पार्टी के हिमाचल प्रदेश एससी सेल के पदाधिकारियों समेत अन्य कई लोग उन्हें

कांग्रेस लोगों को बांटती है: आजाद

नई दिल्ली। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार को कहा कि देश में किसी भी राजनीतिक दल को धर्म या जाति का राजनीतिकरण नहीं करना चाहिए। खड़गे का यह बयान कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद के उस बयान के एक दिन बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि कांग्रेस सहित सभी राजनीतिक दल लोगों के बीच विभाजन पैदा करते हैं और धर्म और जाति का राजनीतिकरण करते हैं। खड़गे ने कहा, भारत में किसी भी राजनीतिक दल को धर्म और जाति का राजनीतिकरण नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस धर्म या जाति का राजनीतिकरण नहीं करती है और यह आजाद का निजी विचार है। इससे पहले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आजाद ने कहा था, हर राजनीतिक दल लोगों और समाज को जाति और धर्म के आधार पर बांटता है। इसके अलावा, अगर कांग्रेस पार्टी भी ऐसी राजनीति कर रही है तो मेरी सलाह है कि ऐसा न करें।

सुरक्षा बलों को पूरी छूट, आतंकी फंडिंग के सभी नेटवर्क तुरंत ध्वस्त करो : अमित शाह

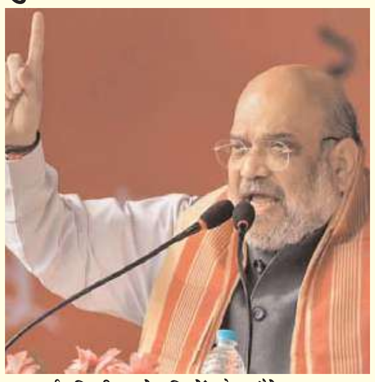

नई दिल्ली। दो दिनों के दौरे पर जम्मू कश्मीर आए गृहमंत्री अमित शाह ने आतंकवाद के लिए फंड जुटाने वाले कश्मीरी कारोबारियों, अलगाववादियों, पाकिस्तान में बैठे आतंक के आकाओं पर सुरक्षाबलों को कार्रवाई की खुली छूट देते हुए उनकी गतिविधियों पर अंकुश लगाने को कहा है। शाह ने कहा सुरक्षा बल जल्द से जल्द आतंकी फंडिंग के सभी नेटवर्कों को ध्वस्त करें।

घाटी में बड़ी संख्या में कारोबारियों और स्थानीय लोगों का नेटवर्क है, तो विभिन्न तरीके से आतंकियों की सहायता करता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अभी भी कई लोग जेल में बंद अलगाववादी नेता मसर्रत आलम, यासीन मलिक, शब्बीर शाह, बिट्टा कराटे जैसे लोगों के संपर्क में हैं। जो इनके इशारे पर देश-विदेश में बैठकर आतंकी गतिविधियों के लिए फंड जुटा रहे हैं। एनआईए और तमाम खुफिया एजेंसियों के पास कुछ लोगों के नामों की सूची भी है। जो रडार पर हैं।

शत्रुघ्न सिन्हा ने आसनसोल से लोकसभा के लिए बाबुल सुप्रियो ने बालीगंज से भरा पर्चा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में 12 अप्रैल को एक लोकसभा सीट और एक विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार शत्रुघ्न सिन्हा और बाबुल सुप्रियो ने सोमवार को अपने अपने नामांकन दाखिल किए। टीएमसी ने शतुघ्न सिन्हा को आसनसोल लोकसभा सीट से चुनाव मैदान में उतारा है, जबकि सुप्रियो बालीगंज विधानसभा सीट से उम्मीदवार हैं।

वर्चुअल समिट में पीएम मोदी ने भारत-ऑस्ट्रेलिया के प्रगाढ़ संबंधों की बात की

-ऑस्ट्रेलियाई पीएम स्कॉट मॉरिसन ने यूक्रेन का मुद्दा उठाया

नई दिल्ली। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंधों की प्रगाड़ता पर कहा कि वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए एक तंत्र स्थापित करना प्रसन्नता का विषय है। भारत-ऑस्ट्रेलिया वर्चुअल समिट के एक ओपन सेशन में बोलते हुए, पीएम मोदी ने कहा कि यह तंत्र हमारे संबंधों की नियमित समीक्षा के लिए एक संरचनात्मक प्रणाली तैयार करने में मदद करेगा। प्रधानमंत्री ने अपने ऑस्ट्रेलियाई

समकक्ष स्कॉट मॉरिसन को प्राचीन भारतीय कलाकृतियों को वापस करने की पहल के लिए भी धन्यवाद दिया, जिनका उन्होंने वर्चुअल समिट से पहले निरीक्षण किया था। ऑस्ट्रेलिया ने 29 पुरावशेषों, मुख्य रूप से विभिन्न प्रकार की सामग्रियों में बनाई गई मूर्तियां और पेंटिंग्स, भारत को लौटाई हैं। ये पुरावशेष छह श्रेणियों, 'शिव और उनके शिष्यों', 'शक्ति की पूजा', 'भगवान विष्णु और उनके रूप', जैन परंपरा, चित्र और सजावटी वस्तुओं से नाता रखते हैं। स्कॉट मॉरिसन ने यूक्रेन में रूस की आक्रामकता के मद्देनजर हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बढ़ते बदलाव के खतरे के बारे में बात की। इस क्षेत्र में चीन के आक्रामक रुख का एक स्पष्ट संदर्भ में, ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री ने कहा कि क्वाड नेताओं द्वारा यूक्रेन पर रूस के गैरकानूनी आक्रमण पर चर्चा करने का आह्वान भी इंडो-पैसिफिक रीजन के लिए उस भयानक घटना के निहितार्थ और परिणामों पर चर्चा करने का अवसर प्रदान करता है.

दिल्ली-दोहा फ्लाइट की कराची में आपात लैंडिंग

-3 घंटे बिना खाना-पानी के रहे यात्री

नई दिल्ली। दिल्ली से दोहा उड़ान भरने वाली कतर एयरवेज की फ्लाइट को कराची एयरपोर्ट पर आपात लैंडिंग करानी पड़ी। इस फ्लाइट में 100 से अधिक यात्री सवार थे। एयरलाइन ने इस संबंध में एक बयान जारी कर बताया है कि विमान के कार्गो एरिया में धुएं के संकेत मिलने पर पायलट ने आपात लैंडिंग के लिए कराची एयरपोर्ट एटीसी से इजाजत मांगी, जिसके बाद विमान को सुरक्षित उतारा गया। फ्लाइट में सवार एक

भारतीय यात्री ने अपने, अपने परिवार और अन्य यात्रियों की परेशानी के बारे में मनी कंट्रोल को टेक्स्ट मैसेज के जरिए जानकारी दी। विक्रम पसरीचा अपनी पत्नी और एक साल की बेटी के साथ दिल्ली से दोहा की यात्रा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विमान सोमवार सुबह करीब 5ः30 बजे कराची में उतरा। यात्रियों को विमान से उतरने के लिए कहा गया और उन्हें जिन्ना अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के ट्रांजिट लाउंज में भेज दिया गया। उन्होंने आगे लिखा, %तीन घंटे तक पानी, भोजन को अता पता नहीं। यात्रियों द्वारा एयरपोर्ट स्टाफ से कहने के बाद ही खाना, चाय का पानी मुहैया कराया गया। इस फ्लाइट में वरिष्ठ नागरिक, बच्चे थे।% उन्होंने कहा कि यात्रियों को अपने परिवार से संपर्क करने के लिए वाईफाई सर्विस भी नहीं दी गई।

10-11 अज्ञात लोगों ने मिलकर कोरबा में की 15 लाख रुपए की डकैती

कोरबा कोरबा जिले में एक सनसनीखेज घटनाक्रम में 15 लाख रुपए की डकैती कर ली गई। मिली जानकारी के अनुसार 10-11 अज्ञात लोगों ने मिलकर पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के ग्राम केरवा में स्थित कैम्प से कीमती उपकरणों की डकैती को अंजाम दिया है। 765 केव्ही पॉवर ट्रांसमिशन के लिए टॉवर और तार बिछाने का काम तमनार से पॉवर ग्रिड भैसमा में तक चल रहा है। साइट पर मौजूद सामानों की रखवाली के लिए चौकीदार हैं। 17 मार्च को रात करीब 11.30 बजे यहां 10-11 अज्ञात लोग पहुंचे और चौकीदारों को जंगल ले जाकर हाथ-पैर बांध दिया.

तेलंगाना में शिवाजी महाराज की मूर्ति लगाने को लेकर विवाद गरमाया

नई दिल्ली। तेलंगाना के निजामाबाद जिले के बोधन इलाके में छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति को लेकर हुए बवाल के बाद सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। बीजेपी की तरफ से सोमवार को बंद का आह्वान किया गया जिसके बाद इलाके में धारा 144 लगा दी गई है। दरअसल रविवार को अंबेड़कर क्रॉसरोड़ स्थित शिवाजी महाराज की मूर्ति लगाने को लेकर दो पक्षों में तनाव हो गया था। मामला इतना बढ़ गया कि दोनों तरफ से पत्थरबाजी शुरू हो गई। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा और आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े।

मणिपुर 5 कैबिनेट मंत्रियों संग बीरेन सिंह ने ली सीएम पद की शपथ

नई दिल्ली। मणिपुर में एक बार फिर एन बीरेन सिंह मुख्यमंत्री बन गए हैं। एन बीरेन सिंह ने सोमवार को इंफाल में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। बीरेन सिंह के साथ ही पांच कैबिनेट मंत्रियों ने भी शपथ ली है। इनमें नेमचा किपजेन, वाई. खेमचंद सिंह, बिस्वजीत सिंह, अवंगबौ न्यूमाई और गोविंदास कोंथौजम शामिल हैं। बीरेन सिंह ने जेपी नड्डा और अन्य भाजपा नेताओं की उपस्थिति में दूसरी बार मणिपुर के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली है। एक दिन पहले ही एन बीरेन सिंह को विधायक दल का नेता चुना गया था। शपथ लेने के बाद बीरेन सिंह ने कहा कि मेरी सरकार का

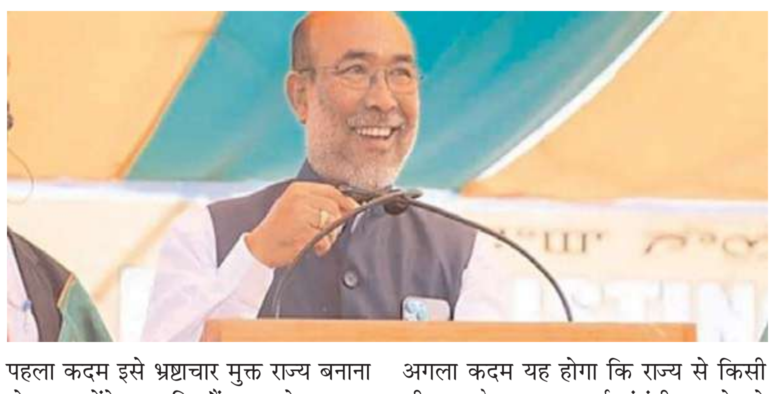

पहला कदम इसे भ्रष्टाचार मुक्त राज्य बनाना होगा। उन्होंने कहा कि मैं राज्य से भ्रष्टाचार को मिटाने के लिए दिन-रात काम करूंगा। अगला कदम यह होगा कि राज्य से किसी भी तरह के मादक पदार्थ संबंधी मामले को खत्म किया जाए। तीसरा मैं यह देखने की कोशिश करूंगा कि राज्य में सक्रिय सभी विद्रोहियों को बातचीत की मेज पर लाया जाए और संवाद हों। ये तीनों मेरे प्राथमिक कर्तव्य होंगे। इससे पहले रविवार को मणिपुर के राज्यपाल एल गणेशन ने भारतीय जनता पार्टी विधायक दल के नेता और कार्यवाहक मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह को अगली सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया था। केंद्रीय मंत्रियों निर्मला सीतारमण और किरेन रिजिजू ने पार्टी की ओर से राज्यपाल को एक पत्र सौंपा, जिसमें कहा गया कि एन बीरेन सिंह को सर्वसम्मति से 32 विधायकों के साथ भाजपा विधायक दल का नेता चुना गया है

कार्टून

महंगाई ने बिगाड़ा बजट

4 मई को मनाया जाएगा दतिया दिवस- डॉ. नरोत्तम

दतिया। गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने आज दतिया में कहा कि 4 मई को माई पीतांबरा के अवतरण दिवस पर दतिया दिवस मनाया जायेगा। इस दिन माई पीतांबरा रथ पर सवार होकर नगर भ्रमण पर निकलेंगी और दतियावासियों के साथ मैं भी माई का रथ खींचने का पुण्य लाभ लूंगा। शाम को पूरा दतिया शहर एक साथ भजन कार्यक्रम में शामिल होगा।

उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस की नीति है कि मुसलमानों को भाजपा का डर दिखाना और खुद फायदा लेना। मप्र की भितरवार तहसील के मस्तूरा गांव के इस्माइल खान का ये दर्द हर देशवासी को सुनना चाहिए। भाजपा की सदस्यता लेते हुए इस्माइल खान ने जो

बातें कहीं,वो किसी एक प्रदेश नहीं,बल्कि पूरे देश का सच है।

डॉ. मिश्रा ने जौरा, भितरवार में पूर्वजों के बनवाए हुए राम-जानकी मंदिर पहुंचकर भगवान के दर्शन किए और आशीर्वाद लिया। मंदिर परिसर में ही ग्रामीणों की समस्याएं सुनी और यथासंभव निराकरण किया। इस मौके पर ग्वालियर ग्रामीण मंडल के जिला अध्यक्ष कौशल शर्मा व ग्रामीण मंडल के जिला उपाध्यक्ष डॉ विवेक मिश्रा समेत बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे। भितरवार विधानसभा में क्षेत्र भ्रमण के दौरान स्थानीय ग्रामीणों व भाजपा कार्यकर्ताओं से भेंट भी की और आत्मीय स्वागत के लिए सभी का आभार माना।

उन्होंने कहा कि भाजपा समाज में किसी भी तरह के भेदभाव के खिलाफ है। जिस तरह शक्कर दूध में मिलकर उसे मीठा बना देती है, वैसे ही समाज को समरस बनाना भाजपा का लक्ष्य है। पिछले 14 वर्षों से दतिया इस संकल्प पूर्ति की ओर बहुत मजबूती से बढ़ा है।

पेंशनरों के प्रकरणों के निपटान हेतु पेंशन अदालत आयोजित

बिलासपुर। सेवानिवृत्ति के पश्चात वृद्धावस्था में कामगारों को समयबद्ध तरीके से तथा बिना किसी वैधानिक अड़चन के निर्बाध रूप से पेंशंन प्राप्त होने के लक्ष्य से एसईसीएल प्रबंधन द्वारा मुख्यालय बिलासपुर में 16 मार्च को पेंशन अदालत का आयोजन किया गया। इसमें एसईसीएल कम्पनी के 10 क्षेत्र कोरबा, कुसमुण्डा, गेवरा, दीपका, बैकुण्ठपुर, चिरमिरी, जमुना-कोतमा, सीडब्ल्यूएस कोरबा, सीडब्ल्यूएस गेवरा तथा रायगढ़ क्षेत्र से प्रबंधन प्रतिनिधि विडियो कान्फ्रेन्सिंग के जरिए जुड़े वहीं मुख्यालय बिलासपुर में पीएफ पेंशन विभाग की टीम उपस्थित रही।

न्यूज ब्रीफ

भारतीय संस्कृति सनातन ज्ञान और संस्कार की प्रणेता : राज्यपाल पटेल

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि भारतीय संस्कृति सारी दुनिया के सनातन ज्ञान और संस्कार की प्रणेता है। मानव मात्र के कल्याण के लिए त्याग और तपस्या की ऋषि-मुनियों की समृद्ध परम्परा और उनका ज्ञान ही हमारी संस्कृति की अमूल्य विरासत है। उन्होंने कहा कि महर्षि गौतम का न्याय दर्शन बताता है कि प्रमाणों के आधार पर किसी निर्णय पर पहुँचना ही न्याय है। न्याय दर्शन हमारे चिंतन का गौरव, वैज्ञानिकता का शायद सबसे पुराना प्रमाण है। राज्यपाल श्री पटेल महर्षि गौतम जयंती समारोह 2022 की स्मृति को यादगार बनाने के लिए जारी विशेष आवरण और विरूपण मुहर के अनावरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम का आयोजन मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल मध्यप्रदेश डाक परिमंडल के द्वारा किया गया था। राज्यपाल श्री पटेल महर्षि गौतम जयंती समारोह 2022 को संबोधित कर रहे थे।

भाजपा सरकार दूध के दाम बढ़ाकर बच्चो से दूध पीने का अधिकार भी छीनकर उन्हे कुपोषण की ओर धकेल रही है

मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार के चलते सरकारी नियंत्रण वाली सांची दूध डेयरी से मिलने वाले दूध के दाम 4/- प्रति लीटर बढ़ा कर बच्चों और आम जनता से दूध पीने का अधिकार भी छीन रही है। कुपोषण में नंबर 1 बन चुके मध्यप्रदेश में दूध के दाम बढ़ाए जाने से बच्चों महिलाओं और आम जनता की पहुंच से अब दूध भी दूर हो जाएगा। प्रदेश भाजपा सरकार दूध के बढ़ते दामों को नियंत्रित करने के लिए तत्काल कदम उठाए। यह मांग मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता एवं पीसीसी सदस्य डॉ संदीप सबलोक ने प्रदेश की भाजपा सरकार के मुखिया शिवराज सिंह चौहान से की है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता इस समय सभी जरूरी वस्तुओं में महंगाई की मार से बुरी तरह पीड़ित है। सरकार एक तरफ शराब के दामों को कम करने की तरफ चिंतित है। वही दूसरी तरफ सरकार की नाक के नीचे सोमवार 21 मार्च से दूध के दामों में एकदम से 4 रु प्रति लीटर की बढ़ोतरी करना सरकार की नैतिकता और संवेदनशीलता पर सवाल खड़े करता है।

भोपाल में सिटी बसों का पास महंगा

अब 299 रुपए में सिर्फ 65 ट्रिप, पहले महीने में 100 थी; 5 रूट पर घूमना महंगा

भोपाल

राजधानी भोपाल की सड़कों पर दौड़ने वाली सिटी बसों में घूमना अब महंगा हो गया है। BCLL (भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड) की बस ऑपरेटिंग कंपनी मां एसोसिएट्स ने 299 रुपए के सुपर सेवर प्लान में ट्रिप घटा दी है। पहले इस प्लान में महीने में 100 ट्रिप मिलती थी, जो अब 65 ट्रिप कर दी गई है। 35 ट्रिप घटने से स्टूडेंट्स, पेंशनर्स, कर्मचारी और व्यापारियों में नाराजगी है। इधर, बीसीएलएल अफसरों का तर्क है कि बस ऑपरेटिंग कंपनी प्लान में बदलाव कर सकती है। हालांकि, मंथली पास में कोई बदलाव नहीं किए गए हैं। 800 रुपए में महीनेभर जहां चाहे वहां और कितनी ही बार घूम सकते हैं। कुल 5 रूट पर सिटी बसों के सुपर सेवर प्लान में बदलाव किया गया है। पेंशनर केसी माहेश्वरी ने बताया, जनवरी में 299 रुपए में महीनेभर में 100 ट्रिप मिलती थी। यानी एक रोज में 4 ट्रिप लगा सकते थे। फरवरी में बदलाव करते हुए यह पास 100 रुपए महंगा कर दिया और 399 रुपए में पास मिलने लगा, लेकिन ट्रिप नहीं घटाई गई। मार्च में फिर से ट्रिप में बदलाव किया और 399 रुपए के पास में 65 ट्रिप की सुविधा ही दी जा रही है। इस कारण सिटी बस में घूमना काफी महंगा हो गया है।

बदलाव कर सकती है कंपनी

मामले में बीसीएलएल के पीआरओ संजय सोनी ने बताया, मंथली पास में कोई बदलाव नहीं किया है। वर्ष 2016 से ही मंथली पास की कीमत 800 रुपए है। सुपर सेवर प्लान में बस ऑपरेटिंग कंपनी बदलाव कर सकती है। पांच रूट पर सुपर सेवर प्लान की ट्रिप घटाई है।

इन रूटों पर घूमना महंगा हुआ

SR-8 कोच फैक्टरी से बैरागढ़ चिचली
TR-1 चिरायु हॉस्पिटल से गुलमोहर सलैया
115- गांधीनगर से अयोध्या बायपास
208- कोकता से लालघाटी
116- पुतलीघर से बंगरसिया

रोज सवा लाख यात्री करते हैं सफर

भोपाल के 14 रूट पर कुल 230 सिटी बसें दौड़ रही हैं। इनमें प्रतिदिन करीब सवा लाख यात्री सफर करते हैं। इनमें 22 हजार से ज्यादा यात्री मंथली और सुपर सेवर प्लान लेकर सफर करते हैं।

दिल में फंसे डिवाइस को तार से निकाला

4 साल की बच्ची के दिल का छेद भरते वक्त छूटी डिवाइस, भोपाल के डॉक्टरों ने बिना ओपन सर्जरी किए निकाला

भोपाल

भोपाल में 4 साल की बच्ची के दिल के छेद को बंद करते वक्त एक छोटी सी डिवाइस अनस्क्रू करते वक्त अंदर चली गई। डॉक्टरों को जब पता चला तो उन्होंने बिना सर्जरी किए ही तार डालकर डिवाइस को निकाला। और दोबारा इसी डिवाइस से दिल के छेद को बंद कर दिया। मामला राजधानी के एक प्राइवेट हॉस्पिटल का है। दतिया की रहने वाली 4 साल की आराध्या अब स्वस्थ है। हॉस्पिटल में दो दिन एडमिट रहने के बाद उसे छुट्?टी भी दी जा चुकी है। ऐसे मामलों में एकमात्र विकल्प ओपन हार्ट सर्जरी ही होता है, लेकिन बच्ची की उम्र महज 4 साल थी, तो ऐसे में डॉक्टरों ने नॉन-सर्जिकल तरीके से डिवाइस को निकालने का फैसला लिया। डॉक्टरों का कहना है कि ऐसा करना आसान नहीं था। कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. विवेक त्रिपाठी ने बताया कि 10 मार्च को वह और डॉ. सुमित भटनागर अम्ब्रेला शेप की VDS डिवाइस से बच्ची के दिल के छेद को बंद कर रहे थे। प्रोसिजर लगभग पूरा होने ही वाला था कि टेक्निकल गलती की वजह से डिवाइस खुलकर दिल के दूसरे हिस्से में पहुंच गई। आमतौर पर डॉक्टर इतने छोटे बच्चे के हार्ट से डिवाइस निकालने का रिस्क नहीं लेते, बल्कि सर्जरी टीम से ऑपरेशन कराया जाता है, लेकिन हम चिमटीनुमा स्नेयर से इस डिवाइस को बाहर निकालने में कामयाब रहे। डॉ. विवेक त्रिपाठी ने बताया कि एक बार अगर किसी सर्जरी के दौरान यदि कोई डिवाइस छूट जाती है, तो एक प्रकार का डर मन में बैठ जाता है और डॉक्टर दोबारा उस मरीज के साथ सेम प्रोसेस दोहराने से बचते हैं। लेकिन, हमने कर दिखाया। डिवाइस निकालने में हमें डेढ़ घंटे का वक्त लगा।

मुख्यमंत्री चौहान ने स्मार्ट उद्यान में पिंक केसिया और करंज का पौधा रोपा।

मप्र में फिर बदला मौसम : भोपाल समेत कई जिलों में बादल छाए, बारिश के आसार नहीं; तापमान में हल्की गिरावट होगी

भोपाल

दक्षिण-पूर्वी मध्यप्रदेश में हवा का चक्रवात बनने और टफ लाइन गुजरने से प्रदेश में मौसम का मिजाज बदल गया है। भोपाल समेत कई जिलों में सुबह कुछ देर बादल छाए रहे। हालांकि, इसका तापमान पर कोई असर नहीं पड़ेगा, न ही बारिश होने के कोई आसार है। नर्मदापुरम (होशंगाबाद), खंडवा, खरगोन और दमोह में लू चलने की संभावना है। रंगपंचमी के दिन भी मौसम का मिजाज ऐसा ही रहेगा। मौसम वैज्ञानिक पीके साहा ने बताया, हवा के चक्रवात से मौसम में मामूली परिवर्तन हुआ है, लेकिन इससे बारिश होने के कोई चांस नहीं है। तापमान में हल्की गिरावट होगी। भोपाल में दिन का पारा 39 से 40 डिग्री के आसपास रहेगा। बाकी जिलों में थोड़ा बहुत उतार-चढ़ाव होगा। नर्मदापुरम, खंडवा, खरगोन और दमोह में लू चलेगी। प्रदेश के नर्मदापुरम में रविवार की रात सबसे गर्म रही। यहां रात का तापमान 23.8 डिग्री पर पहुंच गया। दमोह में पारा 23.4 रहा। वहीं, सीधी, रतलाम और शाजापुर की रातें भाी गर्म रही। उमरिया, खरगोन, सतना, सागर, टीकमगढ़, खंडवा, राजगढ़, रायसेन, मंडला और उज्जैन में 20 डिग्री के पार तापमान रहा। चार बड़े शहरों की बात करें तो जबलपुर में रात का पारा 23.5 डिग्री रहा, जबकि इंदौर में 21.8, राजधानी भोपाल में 20.5 और ग्वालियर में 19.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। रविवार को खरगोन में दिन का तापमान प्रदेश में सबसे ज्यादा 43 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। नर्मदापुरम में रात के साथ दिन भी गर्म रहा। यहां पारा 41.8 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। बाकी जिलों में 36 से 40 डिग्री के बीच तापमान रहा।

बांग्लादेशी आतंकियों के खतरनाक मंसूबे

भोपाल में रच रहे थे साजिश; जमात-ए-मुजाहिदीन की असम-दक्षिण के रास्ते मप्र में एंट्री, भारत में दो नाम से एक्टिव

भोपाल

भोपाल में पकड़े गए प्रतिबंधित संगठन जमात-ए-मुजाहिदीन बांग्लादेश के आतंकी भारत में खलीफा शासन की साजिश रच रहे थे। इसके लिए वह बड़ी मात्रा में धन-बल का उपयोग कर रहे हैं। आतंकी मध्यप्रदेश में असम के रास्ते दक्षिण से होते हुए घुसे। अरबी में खलीफा शब्द का मतलब प्रतिनिधि या उत्तराधिकारी होता है। पैगम्बर मुहम्मद की 632 ईसवी में मृत्यु के बाद पूरे मुस्लिम जगत की राजनीतिक बागडोर संभालने वालों को खलीफा कहा जाता था। जिस प्रकार रईस के राज को रियासत अमीर के राज को अमीरात और खान के राज को खानत कहते थे, उसी तरह खलीफा के राज को खिलाफत कहा जाता

1998 में अस्तित्व में आया:- जमात-ए-मुजाहिदीन बांग्लादेश 1998 में अस्तित्व में आया। इसका उद्देश्य जिहाद के जरिए खलीफा शासन की स्थापना करना है। जमात-ए-मुजाहिदीन बांग्लादेश और इसके संगठन जमात-ए-मुजाहिदीन इंडिया या जमात-ए-मुजाहिदीन हिन्दुस्तान एवं इनके रूप ने आतंकवादी गतिविधियां की हैं। आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा दिया है। भारत में आतंकवादी गतिविधियों के लिए युवाओं को कट्टर बनाने और उनकी भर्ती करने में लिप्त रहा है।

इस तरह संगठन बढ़ा रहा दायरा:- JMB आतंकवादी गतिविधियों, विस्फोटकों/रसायनों और इम्प्रोवाइज्ड विस्फोटक का उपयोग करने के लिए भर्ती और रुपए जुटाने में लगा है। बर्धमान बम विस्फोट (2 अक्टूबर 2014) और बोधगया विस्फोट (19 जनवरी 2018) की जांच में JMB के सदस्यों की संलिप्तता साबित हुई थी।

मध्यप्रदेश में इस तरह पहुंचा

भारत में सबसे पहले असम पुलिस ने छ्ब्स्क्र से संबंधित 56 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया था। जांच में इनके पश्चिम बंगाल, असम और त्रिपुरा राज्यों के जिलों में भारत-बांग्लादेश सीमा के 10 किलोमीटर क्षेत्र के भीतर स्थायी अड्डे बनाने की साजिश का पता चला था। यह भारतीय उपमहाद्वीप में खलीफा शासन स्थापित करने के व्यापक उद्देश्य से दक्षिण भारत में इसका नेटवर्क फैलाने में लगे हैं।

लोकतंत्र का सम्मान नहीं कुर्सी जाने का विलाप कर रही है कांग्रेस :शर्मा

भोपाल। कांग्रेस और उसके नेताओं ने ना तो कभी लोकतंत्र का सम्मान किया है ना ही संविधान के प्रति उनकी आस्था रही है। एक ही परिवार की तानाशाही से चलने वाली इस पार्टी ने संवैधानिक तरीकों से चुनी हुई सरकारों को अपदस्थ करने में भी संकोच नहीं किया है। लोकतंत्र के नाम पर कांग्रेस जो ढोंग कर रही है वास्तव में यह उसकी लोकतंत्र के प्रति आस्था नहीं बल्कि कुर्सी छिन जाने का विलाप है। यह बात भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्री विष्णु दत्त शर्मा ने मीडिया से चर्चा के दौरान कही। श्री शर्मा ने कहा कि लंबे समय तक सत्ता में रही कांग्रेस ने देश में 105 बार लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई सरकारों को कुचलने का काम किया है।

भोपाल में औबेदुल्लाह खां हॉकी टूर्नामेंट शुरू

मप्र हॉकी एकेडमी ने जीएसटी चेन्नई को 0-1 से हराया, 27 को होगा फाइनल

भोपाल

भोपाल के मेजर ध्यानचंद हॉकी स्टेडियम में औबेदुल्लाह खां हेरिटेज कप हॉकी टूर्नामेंट की शुरुआत सोमवार को हुई। उद्घाटन मैच में स्क्क हॉकी एकेडमी की टीम ने जीएसटी चेन्नई को 0-1 से हराया। मैच का एकमात्र गोल सेकंड क्वार्टर में आया। सीएम शिवराज सिंह चौहान ने खेल मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया के साथ दोपहर 12 बजे टूर्नामेंट का उद्घाटन किया। टूर्नामेंट 21 से 27 मार्च तक चलेगा। इसमें कुल 12 टीमें एक-दूसरे से भिड़ेंगी। राजधानी में 6 साल बाद शुरू हुए टूर्नामेंट पर खेल मंत्री ने खुशी जाहिर की। खिलाड़ियों के रहने, खाने और यात्रा का इंतजाम खेल मंत्रालय ही करेगा। मंत्री सिंधिया ने कहा, देश के सबसे फेमस हॉकी टूर्नामेंट को फिर से शुरू करना उनके लिए अच्छा एक्सपीरियंस है। कोरोना ने स्पोर्ट्स एक्टिविटीज़ को रोके रखा। टूर्नामेंट के माध्यम से कई खिलाड़ी वापसी कर सकेंगे। देश को इस टूर्नामेंट से कई फ्यूचर खिलाड़ी मिलने की उम्मीद है। औबेदुल्ला खां टूर्नामेंट भोपाल के सबसे पुराने टूर्नामेंट में से एक है। 1931 में औबेदुल्ला खां गोल्ड कप के नाम से इसकी शुरुआत हुई। पिछला टूर्नामेंट वर्ष 2016 में खेला गया। भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड चैम्पियन रही थी। टोक्यो ओलम्पिक में इंडियन पुरुष और महिला हॉकी टीम के टॉप-4 में फिनिश करने के बाद फिर से इस टूर्नामेंट को शुरू कर दिया गया।

ये 12 टीमें लेंगी हिस्सा:- 7 दिन तक चलने वाले टूर्नामेंट में 12 टीमें हिस्सा लेंगी। इनमें इंडियन ऑयल, भारतीय रेलवे, पंजाब एंड सिंध बैंक, आर्मी एकादश, मध्यप्रदेश हॉकी अकादमी, सीएनजी, जीएसटी एंड सेंट्रल एक्साइज़ चैन्नई, सेंट्रल सेक्रेटेरियट और मध्यप्रदेश हॉकी एसोसिएशन शामिल हैं।

न्यूज ब्रीफ

सड़क किनारे पड़ा मिला युवक का शव, पुलिस कर रही जांच

बिलासपुर। चकरभाठा स्थित काली ढाबा मे काम करनें वाला 30 वर्षिय युवक की संदिग्ध परिस्थितियों मे मौत हों गयी, बताया जा रहा है की मृतक कैलाश जजवानी शराब पीनें का आदि है, जो ढाबा से करीब 150 मीटर दुरी पर सड़क किनारे पड़ा हुआ था, जिसे 112 की मदद से सिम्स लाया गया जहाँ चिकित्सकों नें उसे मृत घोषित कर दिया. मृतक का घर परिवार नहीं है वह ढाबे मे काम करनें के बाद कही भी सो जाता था. बहरहाल चकरभाठा पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जाँच कर रही है।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के लिये 31 मार्च तक कराएं ई-केवाईसी

कोरबा। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ लेने के लिए जिले के सभी पंजीकृत किसानों को पीएम किसान पोर्टल में 31 मार्च 2022 तक ई-केवाईसी कराना अनिवार्य है। उप संचालक कृषि ए.के. शुक्ला ने बताया कि पीएम किसान सम्मान निधि योजना का लाभ पात्र किसानों को देने के लिए ई-केवाईसी करवाना अनिवार्य कर दिया गया है। ई-केवाईसी अपडेट करने के लिए पीएम किसान पोर्टल पर आप्शन दिया गया है, पंजीकृत किसान स्वयं पीएम किसान पोर्टल में जाकर अपने आधार कार्ड नंबर का सत्यापन कर सकते है अथवा किसी भी लोक सेवा केन्द्र या च्वाईस सेंटर के माध्यम से भी सत्यापन करवाया जा सकता है। कृषि विभाग द्वारा किसानों से पीएम किसान सम्मान निधि योजना का लाभ लेने 31 मार्च तक ई-केवाईसी कराने की अपील की गई है।

उत्कर्ष योजना अंतर्गत कक्षा 6वीं में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा 27 मार्च को

कोरबा। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना अंतर्गत वर्ष 2022-23 हेतु कक्षा 6वीं में प्रवेश के लिए 27 मार्च 2022 को लिखित परीक्षा का आयोजन किया जायेगा। यह परीक्षा दोपहर 12:00 बजे से 2:00 बजे तक एकलव्य उच्चतर माध्यमिक विद्यालय छुरीकला में आयोजित किया जायेगा। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास कोरबा श्रीमती माया वारियर ने बताया कि परीक्षा में भाग लेने वाले विद्यार्थियों का प्रवेश पत्र जारी कर दिया गया है। परीक्षार्थी अपने संबंधित विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में संपर्क कर कार्यालयीन समय पर 26 मार्च तक एडमिट कार्ड प्राप्त कर सकते है।

कोटा क्षेत्र में स्थापित ढाबा और होटलों में शराब खुलेआम परोसी जा रही है

ढाबा और होटलों में बगैर लाइसेंस परोसी जा रही शराब

बिलासपुर। खबरों के माध्यम से आए दिन अवैध शराब कच्ची पक्की पकड़े जाने की खबरें पुलिस और आबकारी विभाग द्वारा आती रहती हैं किंतु कोटा क्षेत्र में संचालित ढाबा और होटलों में बगैर लाइसेंस परोसी जा रही शराब पर कार्यवाही की खबरें ही नहीं! जबकि शराब परोसने के लिए लाइसेंस का होना कानूनन जरूरी है। ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि जिम्मेदार कर क्या रहे हैं!

जानकारों का मानना है कि कोटा क्षेत्र में स्थापित ढाबा और होटलों में शराब खुलेआम परोसी जा रही है पीने पिलाने का काम बेखौफ जारी है। शराब के साथ वेज और नानवेज (चखना) खाने की भी उत्तम व्यवस्था है बस जेब में रुपए होने चाहिए। लोगों का मानना है कि कोटा क्षेत्र में स्थापित ढाबो और होटलों में अवैध रूप से परोसी जा रही शराब पर कार्यवाही करनें की जिम्मेवारी आबकारी विभाग के आबकारी निरीक्षक की है इस काम के लिए हर महीने तनख्वाह भी मिलती है बावजूद इसके उन्हें ऐसा कुछ अवैध काम होता दिखाई नहीं देता।

लोगों का कहना है कि जब मुखबिर की मदद से गांव, गली,मोहल्ले और शराब बनाने और बेचने वालों पर आबकारी एक्ट के तहत आए दिन कार्यवाही की जा सकती है तो फिर होटलों और ढाबों पर क्यों नहीं!

जानकार कहते हैं कि कोटा क्षेत्र में संचालित अधिकतर ढाबों और होटलों में खुलेआम शराब का परोसा जाना स्थानीय प्रशासन और आबकारी निरीक्षक की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है।

आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र कोटा एक पर्यटन स्थल के रूप में भी जाना पहचाना जाता है उनमें से एक कोटा का कोरी डैम और डैम के आसपास लगभग 8 से 10 किलोमीटर की दूरी पर लगा हुआ सेमरिया का औरा पानी डैम जहाँ चारों ओर घने हरे भरे वृक्षों जहाँ की आबोहवा और प्राकृतिक सुंदरता भी शराबियों की शराबखोरी का अड्डा बनता जा रहा है।

जानकारों का कहना है कि इन क्षेत्रों में अपराधी किस्म के लोगों का जमावड़ा बनता जा रहा है जिससे कोटा में आए दिन गंभीर किस्म के अपराध हो रहे हैं आपराधिक गतिविधियां बढ़ रही है जैसे की चोरी, डकैती लूटपाट,नशे की हालत में एक्सीडेंट जैसे मामला लगातार बढ़ते क्रम में है। लॉ एंड ऑर्डर नियंत्रण का काम पुलिस विभाग का है ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है। जानकारों का कहना है कि कोटा में अनुविभागीय अधिकारी का कार्यालय है वहीं कोटा और रतनपुर थाना क्षेत्र है बेलगहना में चौकी स्थापित है बावजूद इसके नियम विरुद्ध होटल और ढाबा देर रात तक संचालित किए जाते हैं। इन पर लगाम लगाने वाले जिम्मेदार अधिकारी उदासीन नजर आते हैं। आलम तो यह है कि जिम्मेदार अधिकारियों के नाक के नीचे से यह पूरा अवैध कारोबार बेखौफ संचालित हो रहा है बगैर कोई कार्यवाही, ऐसे में सवाल का खड़े होना लाजमी है! कोटा के ढाबा और होटल संचालकों का बगैर लाइसेंस इतना बड़ा अवैध कारोबार के तिलिस्म को संचालित कर पाना संभव नहीं, वह भी बिना किसी कार्यवाही के,यह कारनामा अधिकारियों और संचालकों के बीच सांठगांठ को उजागर करता नजर आता है।

मुंगेली निवासी डॉ. संदीप होंगे आप से राज्यसभा सदस्य

दिल्ली मुख्यमंत्री केजरीवाल ने किया ऐलान

बिलासपुर। पंजाब सरकार ने 5 सदस्यों को राज्यसभा के लिए मनोनीत किया है। इसमें एक नाम छत्तीसगढ़ मुंगेली जिला निवासी डॉक्टर संदीप पाठक का नाम भी शामिल है।संदीप पाठक राज्यसभा के लिए पंजाब सरकार का प्रतिनिधित्व करेगे डॉक्टर संदीप पाठक के मनोनयन से मुंगेली समेत बिलासपुर और पूरे प्रदेश में खुशी की लहर है।जानकारी देते चले कि डॉक्टर संदीप पाठक का नाम दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के बहुत ही निकटतम शामिल है। मुख्यमंत्री केजरीवाल के निर्देश पर डॉ पाठक ने पंजाब चुनाव का रणनीति तैयार किया था। पंजाब विधानसभा में आम आदमी पार्टी को भारी सफलता मिली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने खुले मंच से ना केवल संदीप पाठक की तारीफ की। बल्कि राज्यसभा सदस्य का तोहफा भी दिया। बताते चले कि डॉक्टर संदीप पाठक का संबंध मुंगेली जिले के गांव बटहा से है। डॉक्टर पाठक के पिता का नाम भागवत आचार्य शिवकुमार पाठक है। डॉक्टर संदीप पाठक के निकटतम लोगों ने बताया कि संदीप की प्रारम्भिक शिक्षा पैतृक गांव बटहा में हुई। इसके बाद अपने बुआ के घर बिलासपुर शिक्षा लेने पहुंचे। सरस्वती स्कूल से 11वी और 12 वी पास किया। साइंस कॉलेज से रसायन शास्त्र में एमएससी किया। फिर हैदराबाद सिपेट किया। पढ़ाई लिखाई में होशियार संदीप पाठक पुणे में एनसीएल से स्कोलर बने। फिर कैंब्रिज से पीएचडी किया। आगे की पढ़ाई ऑक्सफ़ोर्ड विश्वविद्यालय से पूरा किया। यूएसए में एमआईटी में सोलर पैनल पर काम भी किया। अमेरिका से लौटने के बाद डॉक्टर संदीप पाठक दिल्ली स्थित आईआईटी मैं प्राध्यापक बन गए। इसी दौरान डॉ संदीप पाठक अरविंद केजरीवाल के संपर्क में आए। विचारधारा से प्रभावित होकर आम आदमी पार्टी के सदस्य बन गए। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल डॉक्टर संदीप पाठक की ऊर्जा और प्रतिभा से प्रभावित होकर एडवाइजरी कमेटी का सदस्य बनाया। डॉ पाठक की प्रतिभा से खुश होकर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पंजाब राज्य का प्रभारी बनाया। डॉ पाठक पिछले 3 साल से पिछले 3 साल से पंजाब राज्य में आम आदमी पार्टी का जनाधार तैयार किया।

हंसी के फव्वारों के बीच न्यू प्रेस क्लब का होली मिलन समारोह संपन्न

रतनपुर. न्यू प्रेस क्लब रतनपुर के द्वारा कल शाम हाथी किला में होली मिलन समारोह आयोजित किया गया, जहां समस्त पत्रकार साथियों के बीच रंगों की बौछार व हंसी के फव्वारों के साथ इस होली मिलन समारोह का जमकर लुत्फ उठाया गया, इस दौरान न्यू प्रेस क्लब के अध्यक्ष यूनुस मेमन व सचिव गुरुदेव सोनी के द्वारा सभी उपस्थित पत्रकार साथियों को तिलक लगाकर उनका सम्मान किया गया, इसके बाद सभी पत्रकार साथियों ने एक-दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी, साथ ही इस बीच उपस्थित सभी पत्रकारों के द्वारा विभिन्न मुद्दों व समस्याओं पर चर्चा की गई, न्यू प्रेस क्लब के होली मिलन समारोह के दौरान अध्यक्ष यूनुस मेमन सचिव गुरुदेव सोनी , संरक्षक राकेश चौहान,विजय दानीकर,संतोष साहू ,उपाध्यक्ष शुभम श्रीवास,कोषाध्यक्ष विजय साहू, सह सचिव रविंद्र गडेवाल,हरीश माड़वा,मनोज निषाद, रवि तम्बोली, कान्हा तिवारी,महेश सूर्यवंशी,गिरीश राज सहित अन्य पत्रकार उपस्थित रहे.

निजी स्कूल प्रबंधन के खिलाफ कोरबा पैरेंट्स एसोसिएशन ने फिर खोला मोर्चा

निजी पब्लिकेशन की मंहगी पुस्तकें बंद करने की मांग

कोरबा। एनसीईआरटी और सीबीएसई के निर्धारित पाठ्यक्रम के विपरित जाकर निजी स्कूलों ने प्राइवेट पब्लिकेशन की सूची पालको को इस शाल भी थमा दी है। अभिभावकों को मजबूर किया जा रहा है कि वे तय दुकानों से मंहगी पुस्तकें खरीदें जबकि शिक्षा विभाग भारत सरकार ने 2020 में सभी स्कूलों के लिए स्कूल बैग पालिसी बनाया गया है जिसके अनुसार सभी कक्षाओं में पढ़ाने के लिए एनसीईआरटी का सिलेबस

निर्धारित किया गया है। मद्रास हाईकोर्ट के निर्णय के अनुसार प्रत्येक कक्षा में पुस्तक और कापी की संख्या और वजन भी निर्धारित किया गया है जिसका कडाई से पालन कराए जाने का निर्देश जारी किया गया। एनसीईआरटी और सीबीएसई के निर्धारित पाठ्यक्रम को छोड़कर कोरबा के निजी स्कूल खुद का पाठ्यक्रम चला रहे हैं जिसे हर साल बदल दिया जाता है। इसके खिलाफ कोरबा पैरेंट्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने कलेक्टर की अनुपस्थिति में एडीएम सुनील नायक से मिलकर लिखित में शिकायत दर्ज कराई है। पैरेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष नूतन सिंह ठाकुर सचिव दीपक साहू, श्रीजीत नायर, नरेश श्रीवास, मोहन सोनी, आशीष कुमार आदि ने एडीएम श्री नायक से पुस्तके और ड्रेस बदलने से हो रही परेशानी से अवगत कराया।

प्रदेश में पोषण पखवाड़ा शुरूः जागरूकता के लिए निकली रैलियां

रायपुर। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आज सोमवार से प्रदेश में जिला, विकासखण्ड और ग्राम स्तर पर पोषण अभियान के तहत चौथे पोषण पखवाड़ा का शुभारंभ किया गया। पखवाड़े के पहले दिन प्रदेशभर में पोषण जागरूकता के लिए सुपोषण रथ, पोषण साइकिल रैली, बाइक रैली जैसी कई रैलियां निकाली गई। यह पखवाड़ा 04 अप्रैल तक चलेगा। इस दौरान प्रदेश में प्रतिदिन अलग-अलग गतिविधियों का आयोजन कर व्यक्तिगत और सामुदायिक स्तर पर पोषण सम्बन्धित व्यवहार परिवर्तन का प्रयास किया जाएगा। इस वर्ष पोषण पखवाड़ा का प्रमुख उद्देश्य स्वस्थ बच्चे की पहचान और स्वस्थ भारत के लिए पारम्परिक और आधुनिक संसाधनों के एकीकरण पर केन्द्रित गतिविधियां है।

अवैध शराब पर पुलिस की लगातार कार्यवाही

बिलासपुर।। थाना मस्तूरी क्षेत्र के ग्राम लावर में अवैध रूप से कच्ची महुआ शराब बिक्री करने की लगातार शिकायत मिल रही थी जिस पर कार्यवाही करने हेतु वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा निर्देशित किया गया था कि आज दिनांक 18/03/22 को मुखबीर के माध्यम से सूचना मिला कि एक व्यक्ति भारी मात्रा में कच्ची महुआ शराब बिक्री करने हेतु आरोपी अपने बाड़ी लावर मे पैरा मे छिपा कर रखा था घेराबंदी कर रेड कार्रवाई किया गया ग्राम लावर का सूर्या कांत बघेल पिता राम रत्न बघेल उम्र 27 वर्ष साकिन लावर के कब्जे से सफेद कलर के 2 बाल्टी जिसमे पालीथीन मे बंधा अलग अगल 30 नग पालिटीन कुल 60 लीटर कच्ची महुआ शराब कीमती 12000 रुपया जप्त कर आरोपी के विरुद्ध धारा 34. (2) आबकारी एक्ट कार्रवाई किया गया आरोपी का अपराधिक रिकॉर्ड खगला गया जो आरोपी द्वारा पूर्व में भी आबकारी एक्ट के मामले में 3 बार गिरफ्तार किया जा चुका है.

मानिकपुर पुलिस द्वारा चोरी की दो मोटरसायकल व एक एक्टीवा किया जप्त

कोरबा। कोरबा जिला पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल के द्वारा जिले में सभी किस्म के अवैध कारोबार पर प्रभावी नियंत्रण हेतु सभी थाना/चौकी प्रभारियों को निर्देशित किया गया है। जिसके परिपालन में कोरबा जिला में लगातार अवैध गतिविधियों पर वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। मानिकपुर पुलिस को मुखबीर से सूचना प्राप्त हुई कि ताज हुसैन उर्फ टाईगर अपने पास चोरी की मोटर सायकल रखा हुआ है और उसे बेचने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहा हैं, मुखबीर से प्राप्त सूचना से अवगत कराने पर पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोरबा अभिषेक वर्मा, नगर पुलिस अधीक्षक कोरबा योगेश साहू व थाना प्रभारी कोतवाली रामेंद्र सिंह द्वारा त्वरित कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया।

PRESS
ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,

विश्वसनीयता की अपेक्षा पर सच्चा बनाने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे हैं,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्तम्भ

मेरे लोग, मेरा विधान

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।

आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंकेडीन, यूट्यूब, जीटॉक, टिवीटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।

आप सभी इच्छुकजन अपनी गैरमानदेय,
अपठित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com

मध्य भारत का विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

स्वच्छता महाअभियान में पहुंचे महापौर, सफाई कार्यों पर दिया मार्ग-दर्शन

-निगम का स्वच्छता महाअभियान निरंतर जारी -वार्ड क्र-14 पम्प हाउस मैंगजीनभांठा में चलाई गई विशेष स्वच्छता ड्राईव

कोरबा। कोरबा जिला नगर निगम द्वारा चलाए जा रहे स्वच्छता महाअभियान की कड़ी में वार्ड क्र-14 मैगजीनभांठा में विशेष स्वच्छता ड्राईव चलाई गई तथा साफ-सफाई का कार्य एक अभियान के रूप में संपादित कराया गया। नगर निगम महापौर राजकिशोर प्रसाद ने मौके पर पहुंचकर साफ-सफाई कार्यो का निरीक्षण किया तथा स्वच्छता कार्य में संलग्न कर्मचारियों का साफ-सफाई कार्यो पर मार्ग-दर्शन प्रदान किया। रोटरी क्लब के सदस्यों ने स्वच्छता ड्राईव में अपनी सहभागिता दी तथा साफ-सफाई के प्रति लोगों को जागरूक किया।

महापौर राजकिशोर प्रसाद एवं आयुक्त प्रभाकर पाण्डेय के मार्गदर्शन में नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा विगत 10 फरवरी से आगामी 31 मार्च तक कोरबा शहर में निर्धारित कार्य योजना के तहत स्वच्छता का महाअभियान चलाया जा रहा है। इस कड़ी में वार्ड क्र-14 अंतर्गत आने वाले मैगजीनभांठा बस्ती में विशेष स्वचछता ड्राईव चलाई गई, इस दौरान नालियों की सतह से सफाई, सड़क के किनारे एवं नालियों में उगी घांस, बर्म एवं झाड़ियों की सफाई, उत्सर्जित कचरे का तुरंत उठाव व परिवहन सहित अन्य स्वच्छता संबंधी कार्य एक अभियान के रूप में कराए गए। महापौर राजकिशोर प्रसाद ने स्थल पर पहुंचकर स्वच्छता कार्यो का बारीकी के साथ अवलोकन किया तथा साफ-सफाई कार्यो के संबंध में अधिकारी कर्मचारियों का मार्गदर्शन किया। इस दौरान पूर्व पार्षद रामगोपाल यादव, स्वास्थ्य अधिकारी सुनील वर्मा, सहायक अभियंता एच.आर. बघेल, स्वच्छता निरीक्षक उत्तम दास आदि के साथ अन्य लोग उपस्थित थे।

बस्ती का भ्रमण कर जानी समस्याएं

महापौर राजकिशोर प्रसाद ने बस्ती का पैदल भ्रमण कर बस्ती वासियों से भेंट की एवं उनकी समस्याओं पर चर्चा करते हुए समस्याओं की जानकारी ली। उन्होने विभिन्न छुट-पुट समस्याओं की जानकारी प्राप्त होते ही उसके त्वरित निराकरण के निर्देश भी अधिकारियों को दिए।

संपादकीय

आखिर इंसाफ

आदिवासी कार्यकर्ता सोनी सोरी के खिलाफ राजद्रोह के मुकदमे को गलत पाए जाने और उनके बरी होने के मामले ने एक बार फिर यह साबित किया है कि कमजोर तबकों के प्रति पुलिस कैसे पूर्वाग्रहों के साथ काम करती है। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा की एक विशेष अदालत ने जिस तरह 2011 में सोनी सोरी के खिलाफ दर्ज राजद्रोह के मुकदमे में उन्हें बरी किया, उसे इंसाफ की जीत कहा जा सकता है, मगर इसके साथ ही सरकार और पुलिस के रवैए पर भी कई गंभीर सवाल उठे हैं।

अदालत ने सोनी सोरी और उनके साथी लिंगाराम कोडोपी को दंतेवाड़ा पुलिस की ओर से दर्ज किए गए मामले में दोषी नहीं पाया। पुलिस ने आरोप लगाया था कि एस्सार कंपनी की ओर से माओवादियों को देने के लिए पंद्रह लाख रुपए सोरी और कोडोपी को दिए गए थे। लेकिन मुकदमे की इतनी लंबी अवधि में पुलिस अपने आरोपों के पक्ष में क्या कर सकी, इसका उदाहरण अदालत के फैसले में देखा जा सकता है। सबूतों के अभाव में सोनी सोरी को बरी करते हुए अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष सिवाय शक के आरोपियों के खिलाफ कोई भी आरोप साबित नहीं कर पाया।

अदालत की टिप्पणी यह बताने के लिए काफी है कि इस समूचे मामले में पुलिस तंत्र किस तरह के आग्रहों से संचालित होकर काम कर रहा था। सोनी सोरी पर लगाए गए जो आरोप एक दशक से ज्यादा वक्त में अदालत में साबित नहीं हुए, उसके बारे में क्या खुद पुलिस महकमे को अंदाजा नहीं था? सिर्फ शक की बुनियाद पर किसी को गिरफ्तार करके सजा दिलाने की कोशिश के पीछे आखिर क्या कारण थे? आखिर क्यों पुलिस अदालत में अपने आरोप के पक्ष में कोई पुख्ता सबूत नहीं पेश कर पाई? क्या महज शक के आधार पर किसी के सामान्य जीवन का हक उससे छीना जा सकता है? अपनी गिरफ्तारी और उस दौरान खुद को यातना देने को लेकर सोनी सोरी ने गंभीर आरोप लगाए थे और यहां तक कहा कि उन्हें बेहद बर्बर तरीके से प्रताड़ित किया गया। सोनी सोरी पर तो महज आरोप थे, जो आखिरकार गलत साबित हुए। अगर ये आरोप सही भी होते, तो आम नागरिकों की सुरक्षा के लिए जानी जाने वाली पुलिस को किसी अपराधी के साथ भी ऐसा बर्ताव करने का हक कैसे मिल जाता है

हमारे देश में हाशिये के समुदायों की जिंदगी कैसी रही है, यह छिपा नहीं है। सरकार या समूचे सत्ता तंत्र को जहां उनकी मुश्किलों को कम करने के लिए अपनी ओर से पहल करनी चाहिए, वहां कई बार उसका व्यवहार इन वर्गों के लोगों के खिलाफ बेहद अमानवीय और भेदभाव से भरा होता है। ऐसे मामले सामने आते रहे हैं, जिनमें समाज के दबंग तबकों या खुद पुलिस की ओर से दलितों या आदिवासियों के खिलाफ दमन-चक्र चलाया जाता है और ऐसे मामलों में भी इंसाफ मिलना मुश्किल होता है।

नक्सलियों या माओवादियों से जुड़े होने के शक में आदिवासियों की गिरफ्तारी और उन पर लगाए गए आरोप साबित हो पाने के मामले अपने आप में अध्ययन का विषय हैं। सोनी सोरी शिक्षिका थीं और अपना जीवन सामान्य तरीके से गुजारती थीं। उन्हें अपने ऊपर लगे आरोपों से बरी होने में लंबा वक्त लग गया। संसाधनों से वंचित वैसे लोगों के बारे में अंदाजा भर लगाया जा सकता है, जिन्हें सिर्फ शक के आधार पर गिरफ्तार कर लिया जाता है।अदालत के फैसले के बाद सोनी सोरी ने कहा कि मेरे वे ग्यारह साल कौन लौटाएगा!

खाद्य सुरक्षा के जटिल होते सवाल

अनुमान लगाया गया है कि अगर इसी तरह तापमान बढ़ेगा तो दक्षिण एशियाई देशों में कृषि पैदावार में तीस फीसद तक गिरावट आ सकती है। इसलिए विकास की तीव्र आंधी में हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि संपूर्ण विश्व की अधिकांश आबादी की आजीविका का मुख्य आधार कृषि ही है। साफ है, यदि इसी तरह से हम प्रकृतिक के साथ खिलवाड़ करते रहे हैं तो कृषि पर दिन-प्रतिदिन दबाव बढ़ता जाएगा और अधिकांश हिस्सों में खाद्य संकट खड़ा हो जाएगा। अगर आसी नौबत आई तो 2030 तक दुनिया से भुखमरी खत्म करने का लक्ष्य भी कोसों पीछे छूट जाएगा। भारत में पिछले चार दशकों में वर्षा की मात्रा में निरंतर गिरावट आ आई है। बीसवीं सदी के प्रारंभ में औसत वर्षा एक सौ इकतालीस सेंटीमीटर थी, जो नब्बे के दशक में कम होकर एक सौ उन्नीस सेंटीमीटर रह गई है। उत्तरी भारत में पेयजल का संकट तीव्रतर होता जा रहा है। यहां हर तीन साल में अकाल और सूखे की काली छाया मंडराती है। यही नहीं, गंगोत्री हिमनद हर साल तीस मीटर की दर से सिकुड़ रहा है। अगर ऐसा होना जारी रहा तो आगामी कुछ दशकों में गंगा को भी सूखने से रोका नहीं जा सकेगा। ज्ञातव्य है कि उत्तराखंड की कोसी नदी पहले ही सूख कर 'वैश्विक तापमान' की व्यथा अभिव्यक्त कर रही है। देश के विभिन्न क्षेत्रों में भू-जलस्तर में तीव्र गिरावट दर्ज की जा रही है।

(रवि शंकर)

जलवायु परिवर्तन न सिर्फ आजीविका, पानी की आपूर्ति और मानव स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा कर रहा है, बल्कि खाद्य सुरक्षा के लिए भी चुनौती खड़ी कर रहा है। ऐसे में यह सवाल पैदा होता है कि क्या भारत जलवायु परिवर्तन के खतरों के बीच आने वाले समय में इतनी बड़ी जनसंख्या का पेट भरने के लिए तैयार है?

पूरी दुनिया का ध्यान इस समय रूस-यूक्रेन युद्ध पर लगा है। इससे पहले दुनिया कोरोना संकट से जूझ रही थी। रूस का हमला और कोरोना महामारी दोनों मौजूदा विश्व व्यवस्था को प्रभावित करने वाली घटनाएं हैं। लेकिन दुनिया के सामने एक और बड़ी समस्या खड़ी है और वह जलवायु परिवर्तन की है। हाल ही में जलवायु परिवर्तन पर अंतरसरकारी पैनल (आइपीसीसी) की ताजा रिपोर्ट में बताया गया है कि जलवायु परिवर्तन से दुनिया के कितने लोग असुरक्षित हैं। रिपोर्ट के अनुसार जलवायु परिवर्तन कई देशों की खाद्य सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन चुका है।

रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि इस सदी के अंत तक धरती का तापमान एक से चार डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है। अगर ऐसा हुआ तो भारत में चावल की पैदावार तीस फीसद तक कम हो जाएगी। मक्का जैसे दूसरे मोटे अनाजों की पैदावार पर भारी असर पड़ेगा और इसमें सत्तर फीसद तक की कमी देखने को मिल सकती है। अगर ऐसा हुआ तो भारत के लिए गंभीर संकट होगा। ऐसे में करोड़ों लोगों के लिए अनाज का बंदोबस्त करना मुश्किल हो जाएगा।

बहरहाल, विभिन्न रिपोर्टों और आंकड़ों के विश्लेषण से यह तथ्य उभर कर आया है कि विश्व में बढ़ते तापमान व जलवायु परिवर्तन के कारण उत्पादन में कमी दर्ज की जा रही है। फसल चक्र अनियमित और असंतुलित होता जा रहा है। इससे संपूर्ण विश्व के लिए खाद्य सुरक्षा एक अहम चुनौती बनती जा रही है। एक अनुमान के अनुसार अगर 2040 तक तापमान डेढ़ डिग्री तक बढ़ता है तो फसलों की पैदावार पर इसका गंभीर प्रभाव पड़ेगा। इतना ही नहीं, बढ़ते कार्बन उत्सर्जन से इस शताब्दी में विश्व में झगड़े, भुखमरी, बाढ़ और पलायन जैसी समस्याएं भी तेजी से बढ़ेंगी। इसलिए भविष्य में दुनिया के सभी देशों को ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन कम करने के लिए सभी विकल्पों पर विचार करना होगा। गौर करने वाली बात यह है कि विश्व के नेता रियो में, पेरिस में या ग्लासगो में मिलते हैं तो जलवायु परिवर्तन की चिंता करते हैं और उसके बाद सब उसे भुला देते हैं। जिस तरह से अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जलवायु परिवर्तन को असली समस्या नहीं मानते थे, उसी तरह दुनिया की बड़ी आबादी और दुनिया के देशों के नेतृत्व का बड़ा हिस्सा भी इसे गंभीर संकट के रूप में नहीं देख रहा है। जो इसे समस्या मानते हैं वे भी सिर्फ मानने के लिए मान रहे हैं और इसे रोकने के लिए कुछ नहीं कर रहे हैं।

मालूम हो कि कृषि पद्धतियां पूरी तरह मौसम की परिस्थितियों पर आधारित हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार अनुमान लगाया गया है कि अगर इसी तरह तापमान बढ़ेगा तो दक्षिण एशियाई देशों में कृषि पैदावार में तीस फीसद तक गिरावट आ सकती है। इसलिए विकास की तीव्र आंधी में हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि संपूर्ण विश्व की अधिकांश आबादी की आजीविका का मुख्य आधार कृषि ही है। साफ है, यदि इसी तरह से हम प्रकृतिक के साथ खिलवाड़ करते रहे हैं तो कृषि पर दिन-प्रतिदिन दबाव बढ़ता जाएगा और अधिकांश हिस्सों में खाद्य संकट खड़ा हो जाएगा। अगर आसी नौबत आई तो 2030 तक दुनिया से भुखमरी खत्म करने का लक्ष्य भी कोसों पीछे छूट जाएगा।

भारत में पिछले चार दशकों में वर्षा की मात्रा में निरंतर गिरावट आ आई है। बीसवीं सदी के प्रारंभ में औसत वर्षा एक सौ इकतालीस सेंटीमीटर थी, जो नब्बे के दशक में कम होकर एक सौ उन्नीस सेंटीमीटर रह गई है। उत्तरी भारत में पेयजल का संकट तीव्रतर होता जा रहा है। यहां हर तीन साल में अकाल और सूखे की काली छाया मंडराती है। यही नहीं, गंगोत्री हिमनद हर साल तीस मीटर की दर से सिकुड़ रहा है।

अगर ऐसा होना जारी रहा तो आगामी कुछ दशकों में गंगा को भी सूखने से रोका नहीं जा सकेगा। ज्ञातव्य है कि उत्तराखंड की कोसी नदी पहले ही सूख कर 'वैश्विक तापमान' की व्यथा अभिव्यक्त कर रही है। देश के विभिन्न क्षेत्रों में भू-जलस्तर में तीव्र गिरावट दर्ज की जा रही है, जिसके कारण खेती के लिए सिंचाई व्यवस्था पर प्रश्न चिह्न लग गया है। पानी के अभाव में खेती घाटे का सौदा बन गई है। ऐसे में खेती को लेकर किसानों का रुझान कम होते जाना स्वाभाविक है, जो कि चिंता का विषय है।

गौरतलब है कि जलवायु परिवर्तन और वैश्विक तापमान में वृद्धि के कारण न केवल फसलों की पैदावार में कमी हो रही है, अपितु उत्पादन की गुणवत्ता में भी ह्रास हो रहा है। अनाज व अन्य खाद्य फसलों में पोषक तत्वों व प्रोटीन की कमी हो जाएगी, जिसके कारण संतुलित व पौष्टिक भोजन की व्यवस्था करना दिवा-स्वप्न मात्र बन कर रह जाएगा। भारत के लिए यह और ज्यादा चिंता का विषय है, क्योंकि हमारे देश की सत्तर प्रतिशत जनता खेती से प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से जुड़ी है। कृषि ही उनके जीवन-यापन का मुख्य स्रोत है। वहीं भारत की जनसंख्या अभी 1.04 फीसद की सालाना दर से बढ़ रही है। इस दशक के अंत तक भारत की जनसंख्या डेढ़ अरब तक पहुंचने का अनुमान है, लेकिन इतनी बड़ी आबादी का पेट भरने के लिए खाद्यान उत्पादन में अनेक समस्याएं हैं।

जलवायु परिवर्तन न सिर्फ आजीविका, पानी की आपूर्ति और मानव स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा कर रहा है, बल्कि खाद्य सुरक्षा के लिए भी चुनौती खड़ी कर रहा है। ऐसे में यह सवाल पैदा होता है कि क्या भारत जलवायु परिवर्तन के खतरों के बीच आने वाले समय में इतनी बड़ी जनसंख्या का पेट भरने के लिए तैयार है? भारत आज जिन चुनौतियों का सामना कर रहा है, उनमें से खाद्य सुरक्षा की चुनौती सबसे बड़ी है। न सिर्फ भारत बल्कि अन्य विकाशील देशों के सामने भी ये चुनौतियां हैं। जैसे-जैसे चुनौतियां बढ़ रही हैं, हमें बड़ी तत्परता से काम करने की जरूरत है। साथ ही, जलवायु परिवर्तन के भयावह खतरों से निपटने के लिए प्रभावी रणनीति का क्रियान्वयन अतिशीघ्र किया जाना आवश्यक है।

जलवायु संकट और खाद्य सुरक्षा परस्पर एक दूसरे से संबंधित हैं। अतः एक चुनौती के समाधान हेतु दूसरे का समुचित प्रबंधन वांछनीय है। यह आवश्यक है कि कृषि के विभिन्न तरीकों का पुनरावलोकन कर सर्वाधिक उत्पादक एवं पर्यावरण को कम से कम क्षति पहुंचाने वाली तकनीकों का प्रयोग किया जाए। इसके लिए खाद्य और कृषि प्रणाली को जलवायु परिवर्तन के अनुकूल बनाने की जरूरत है।

जंग तो खुद ही एक मसअला है

(साहिर लुधियानवी)

'युद्ध सबसे हर तरह की गारंटी छीन लेता है। यह सब होने से कौन रोक सकता है? मुझे यकीन है ऐसे लोग हैं। जाने-माने लोग, पत्रकार, संगीतज्ञ, अभिनेता, खिलाड़ी, डाक्टर, ब्लागर्स, मंचीय कलाकार, टिकटाकर्स और दूसरे लोग। आम लोग। साधारण लोग, मर्द, औरतें, बुजुर्ग, जवान, पिता और सबसे अहम माताएं। क्या रूस के लोग युद्ध चाहते हैं?'

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने एक वीडियो में रूस के लोगों से यह अपील इस बात की आशंका जताते हुए की कि इसे रूसी मीडिया नहीं दिखाएगा। दो विश्वयुद्ध के दुष्परिणाम झेल चुके इस विश्व के लिए जेलेंस्की का वीडियो थोड़ी देर के लिए भावुक करने वाला हो सकता है। लेकिन हम यह जानते हैं कि इस दुनिया को माताएं (अभिभावक पढ़ें) नहीं, वो लोग और उनके सहयोगी चलाते हैं जो अपने देश के नागरिकों के लिए युद्ध-शिक्षा अनिवार्य करते हैं, सारी महिलाओं को देश से चले जाने का हुक्म सुनाने के बाद मर्दों का युद्ध में जाना अनिवार्य कर देते हैं। जिनकी उंगलियों को दुनिया तबाह करने के लिए परमाणु बम के बटन दबाने का अधिकार है।

कुछ समय बाद वह पिता भुला दिया जाएगा जो युद्ध में जाने के पहले बेटी के गले लग जार-जार रो रहा था, वो बेटा भुला दिया जाएगा जो युद्ध क्षेत्र से वीडियो काल कर अपनी मां को रोते हुए विभिषिका बता रहा था। अपनी बेटी-मां के लिए ये रोते हुए मर्द इतिहास के पन्नों से बेदखल होंगे और याद किए जाएंगे वो जिसने पहला वार किया, वे नागरिक जिन्होंने पलटवार में हथियार उठाया। मारने और मरने वालों के बीच गुम हो जाएंगे वो रोने वाले मर्द। इन रोते मर्दों पर कोई कविता लिखी जाएगी जो इतिहास की किताबों का हिस्सा नहीं होगी। युद्ध के बाजार को रोते मर्द नहीं हथियार उठाए तानाशाह और नागरिक अच्छे लगते हैं। रोती स्त्री और लड़ते मर्द का उलटफेर युद्धउन्मादी होने नहीं देंगे।

भारत का एक युवा भावी डाक्टर मारा गया जो कल कई लोगों का जीवन बचा सकता था। दुनिया का इतिहास गवाह है कि युद्ध तो देश की सीमाओं के लिए शुरू होता है लेकिन एक बार शुरू होने के बाद वह किसी खास भूगोल तक सीमित नहीं रहता है। इसलिए जरूरी है कि युद्धरत समय में आप बिना अगर-मगर के मजबूत तरीके से अपना पक्ष रखें। कूटनीतिक पराक्रम और पाखंड के बीच महीन सी लकीर होती है। तय करना होगा कि जिम्मेदारियों के दस्तावेजीकरण के वक्त हम पाखंड के पाले में नहीं पकड़े जाएं।

हमारे देश का युवा मारा गया है और हम सरकारी पक्ष से ही सुन रहे हैं कि रूस-यूक्रेन युद्ध का आधार छह महीने से बन रहा था। तब से दो तरह की चीजें हो रही थीं। पहला नाटो संग अमेरिका यूक्रेन को युद्ध के लिए उकसा रहा था। दूसरा एक खेमा था जो खुद को दर्शक-दीर्घा में खड़े होकर देखना चाहता है। लेकिन किसी भी तरह के युद्ध में आप सिर्फ दर्शक नहीं हो सकते हैं। बर्बरीक महाभारत के युद्ध में सिर्फ दर्शक था, तब भी उसे अपना सिर कटवाना पड़ा था।

सोवियत संघ के विघटन के बाद आज के हालात आते हुए तीन दशक का एक पूरा चक्र घूम गया। सोवियत संघ के विघटन के बाद पुतिन पहले रूसी नेता हैं जिन्होंने साफगोई से उसे बड़ी भौगोलिक त्रासदी का नाम दिया। तीन दशक के चक्र में पहली बार दुनिया की एकध्रुवीयता को रूस की तरफ से चुनौती मिली है। इसलिए भारत जैसे देश के लिए भी अब यह बड़ी चुनौती है। दो ध्रुवीय दुनिया के हिसाब से भारत ने गुटनिरपेक्षता की जो नीति अपनाई थी, उस कारण उसे दोनों गुटों से फायदा मिला। सोवियत संघ उसका सबसे करीबी रहा और अमेरिका भी सहयोगी के रूप में दूर नहीं था। गुटनिरपेक्ष आंदोलन के जरिए दो ध्रुवीय दुनिया में भारत ने एक सम्मानित जगह बना ली थी।

सोवियत संघ के विघटन के बाद गुटनिरपेक्ष आंदोलन अपने-आप में ही बेमकसद हो गया था। वैसे ही जैसे, नाटो का अस्तित्व भी बेमानी हो गया। अमेरिका और यूरोपीय देशों ने नाटो की स्थापना ही साम्यवादी विचारधारा के विस्तार को रोकने के लिए की थी। उसके बाद जो एकध्रुवीय दुनिया बनी उसमें अमेरिका जैसे देश ने नवउदारवादी नीति को लेकर पूरी दुनिया के साथ हाथ मिलाया। गुटनिरपेक्ष आंदोलन से जुड़े देशों को भी इसी के पीछे भागने के लिए मजबूर किया। दूसरी तरफ सोवियत संघ के विघटन से निकले हुए देशों को अपने साथ गोलबंद कर नाटो को मजबूत किया।

पिछले तीन दशक में अमेरिका ने अपनी स्थिति को काफी मजबूत किया। लेकिन इसी दौर में एक विरोधाभास देखने को मिलता है कि साम्राज्यवादी, पूंजीवादी ताकतों के बीच भी प्रतियोगिता बढ़ती है। खास कर चीन जो उसी के माडल के तहत एक बड़ी ताकत के रूप में उभरता है और रूस फिर से अपना दमखम दिखाता है। अभी इन दोनों की घेरेबंदी करने की अमेरिका फिर से पूरी कोशिश कर रहा है। एक बार फिर से अमेरिका नाटो के जरिए अपने एकध्रुवीय नियंत्रण को बनाने की पूरी कोशिश कर रहा है। लेकिन रूस और चीन प्रतिरोध की पूरी जमीन तैयार कर चुके हैं।

एकध्रुवीय साम्राज्य का चक्र यूक्रेन पर हमले के साथ पूरी तरह घूम चुका है। बात भारत जैसे देश के संकट की है। अमेरिका तो 'नई दुनिया' का दोस्त है ही लेकिन भारत को उन्नत हथियार रूस से ही मिलते हैं। अभी वह रूस के खिलाफ जाकर अपना नुकसान नहीं कर सकता है और न पूरी तरह अमेरिका के साथ खड़ा हो पा रहा है। इसका खमियाजा यूक्रेन में भारतीय विद्यार्थियों को भुगतना पड़ा। इतना ही नहीं इस 'किंकर्तव्यविमूढ़ता' वाली स्थिति के कारण भारतीय मीडिया भी अंतरराष्ट्रीय मैदान पर कोई पक्ष नहीं ले पा रहा है और उसमें भी वैचारिक भगदड़ सी स्थिति है। यह तो सच है कि युद्ध की पीड़ित अंततः जनता ही होगी, किसी का अभिमान नहीं। किसी की स्वाभाविक प्रतिक्रिया किसी के लिए घमंड का कारण बन सकती है। पुतिन का आरोप है कि अमेरिका को हमारे सिर पर बैठा दोगे तो हम कदम उठाएंगे ही।

वक्त बहुत बुरी बला है

(नरेश)

वक्त बहुत बुरी बला है जनाब ! इसका अपना अलग ही मूड होता है कभी कहीं भी किसी की तरफ भी पलट जाता है। हम इंसानों को बहुत गुमान हो जाता है अपने आप पर या अपनी काब्लियत पर और हम समझते हैं कि वक्त तो हमारा है और हमारे हाथ में है जब चाहे जैसे चाहे अपने अनुसार अपने तरफ कर सकते है अपना साथी है ये वक्त तो कुछ का तो ये मानना है कि वक्त हमारे हौसलों के आगे कुछ नहीं बात भी सही है ,हौसले और जज्बे से तो बड़े -बड़े युद्ध जीते जाते हैं लेकिन वक्त इंसान को बहुत बेचारा और लाचार भी बना देता है । अब हमको ही देख लो अपनों से मिलने अपनों के घर मिलने का वक्त ही नहीं रहा । दूर रहो दूर हटो मेरे पास ना आओ , वगेरह वगेरह । सच बात तो कही है किसी ने कि इंसान समय की कठपुतली मात्र है होना वहीं है जो वक्त चाहता है । भागम भाग करो करते रहो ..चिंता आने वाले कल की अपने स्वास्थ्य की करते रहो जरुरी है । लेकिन वक्त रहते इंसान भी बन जाओ क्योंकि अब हम लोग इंसान जैसा किसी के साथ बर्ताव तो करते नजर नहीं आ रहे हैं। सोशल मीडिया या बहुतेरे समाचार पत्रों या चैनलों के माध्यम से खबरे आती है फैलती है हवा की तरह । उनकी क्या प्रामाणिकता है क्या सच्चाई है क्या इसका प्रभाव होगा हमारे समाज में या हमारे जीवन में बिना ये सोचे हम लोग आग में घी डालने वाला काम करते आते रहे है और करते रहेंगे क्योंकि वक्त तो है ऐसा । सभी जल्दी में जो हैं, वक्त है किसके पास सोचने समझने का या चाहता कौन है समझना? जिंदगी का असली मतलब क्या है क्या आपका अपने लिए महत्व है या आपके व्यक्तित्व से किसको क्या खुशी या दुःख मिलता है क्या फर्क पड़ता है इन सब बातों से आपको या हमको । क्योंकि वक्त हमको पल भर का आनंद मात्र देता है और हम है कि समझने लगते है कि यही है मेरा असली आनंद । बाते वीचित्र हैं परन्तु सत्य हैं कि दूरदर्शी होना जरूरी है और सुधारवादी प्रवृत्ति होना अति आवश्यक है आधुनिक काल में । समय बार बार नहीं आता कहा जाता है बार बार लेकिन हमने तो इतिहास को दोहराते हुए देखा है। हंसते हंसते कट जाए रास्ते हर बार सही नहीं होता , हंसिए लेकिन अपने अंतर्मन में झांकिए क्या यही आपका एक ध्येय है । विचार करिए क्या आप गलत को सही करने का निर्णय के सकते हैं क्या आप अपने आप को गलत करने से रोक सकते है क्या आप अपने कर्मों द्वारा दूसरों को चोट पहुंचने से खुद को बचा सकते हैं क्या आप खुद को खुद में खोज सकते हैं ? कठिन है लेकिन नामुमकिन कुछ भी नहीं । वक्त लोगों के अनुसार ही बदलता है हमें इंसान ही बने रहना है जो वक्त चाहता ही नहीं । वक्त है ही पेचीदा

(ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं)

रंग भरी होली भक्ति और विश्वास की विजय का पर्व है

होली ही एक ऐसा त्योहार है, जिसके लिये मन ही नहीं, माहौल भी तत्पर रहता है। होली का धार्मिक ही नहीं बल्कि सांस्कृतिक दृष्टि से विशेष महत्व है। इस त्योहार की गौरवमय परम्परा को अक्षुण्ण रखते हुए हम एक सचेतन माहौल बनाएं, जहां हम सब एक हो और मन की गन्दी परतों को उतार फेंके ताकि अविभक्त मन के आईने में प्रतिबिम्बित सभी चेहरे हमें अपने लगें। प्रदूषित माहौल के बावजूद जीवन के सारे रंग फीके न पड़ पाए। हम कितने भोले हैं कि अपनी संस्कृति एवं आदर्श परम्पराओं को हमीं मिटा रहे हैं। स्वयं अपना घर जला कर स्वयं तमाशा बन रहे हैं। आखिर हमीं तो वे लोग हैं जिन्होंने देश की पवित्र जमीं के नीचे हिंसा, अन्याय, शोषण, आतंक, असुरक्षा, अपहरण, भ्रष्टाचार, अराजकता, अत्याचार जैसे घिनौने तत्वों की गहरी और लम्बी सुरंगें बिछाकर उन पर अपने स्वार्थों का बारूद फैला दिया, बिना कोई परिणाम सोचे, बिना भविष्य की संभावनाओं को देखे। फिर भला कैसे सुरक्षित रह पाएगा आम आदमी का आदर्श। आम आदमी का जीवन। इन अंधेरों एवं जटिल हालातों के बीच होली जैसे त्योहार हमारी रोशनी की इंतजार एवं उजालों की कामना को पूरा करने के लिये हमें तत्पर करते हैं।

(ललित गर्ग)

भक्त एवं भगवान का एक रंग हो जाना ही चरम परिणति है और इसी अंतस और अध्यात्म का अनूठा संगम पर्व है होली। होली प्रेम, आपसी सद्भाव और मस्ती के रंगों में सराबोर हो जाने का अनूठा त्यौहार है। कोरोना महामारी के कारण इस त्यौहार के रंग भले ही फीके पड़े हैं या मेरे-तेरे की भावना, भागदौड़, स्वार्थ एवं संकीर्णता से होली की परम्परा में बदलाव आया है। परिस्थितियों के थपेड़ों ने होली की खुशी को प्रभावित भी किया है, फिर भी जिन्दगी जब मस्ती एवं खुशी को स्वयं में समेटकर प्रस्तुति का बहाना मांगती है तब प्रकृति हमें होली जैसा रंगारंग त्योहार देती है। होली की सबसे बड़ी विशेषता है कि इसको मनाते हुए हम समाज में मानवीय गुणों को स्थापित करके लोगों में प्रेम, एकता एवं सद्भावना को बढ़ाते हैं। इस त्योहार को मनाने के पीछे की भावना है मानवीय रिश्तों की गरिमा को समृद्धि प्रदान करना, जीवनमूल्यों की पहचान को नया आयाम प्रदत्त करना।

होली ही एक ऐसा त्योहार है, जिसके लिये मन ही नहीं, माहौल भी तत्पर रहता है। होली का धार्मिक ही नहीं बल्कि सांस्कृतिक दृष्टि से विशेष महत्व है। इस त्योहार की गौरवमय परम्परा को अक्षुण्ण रखते हुए हम एक सचेतन माहौल बनाएं, जहां हम सब एक हो और मन की गन्दी परतों को उतार फेंके ताकि अविभक्त मन के आईने में प्रतिबिम्बित सभी चेहरे हमें अपने लगें। प्रदूषित माहौल के बावजूद जीवन के सारे रंग फीके न पड़ पाए। हम कितने भोले हैं कि अपनी संस्कृति एवं आदर्श परम्पराओं को हमीं मिटा रहे हैं। स्वयं अपना घर जला कर स्वयं तमाशा बन रहे हैं। आखिर हमीं तो वे लोग हैं जिन्होंने देश की पवित्र जमीं के नीचे हिंसा, अन्याय, शोषण, आतंक, असुरक्षा, अपहरण, भ्रष्टाचार, अराजकता, अत्याचार जैसे घिनौने तत्वों की गहरी और लम्बी सुरंगें बिछाकर उन पर अपने स्वार्थों का बारूद फैला दिया, बिना कोई परिणाम सोचे, बिना भविष्य की संभावनाओं को देखे। फिर भला कैसे सुरक्षित रह पाएगा आम आदमी का आदर्श। आम आदमी का जीवन। इन अंधेरों एवं जटिल हालातों के बीच होली

जैसे त्योहार हमारी रोशनी की इंतजार एवं उजालों की कामना को पूरा करने के लिये हमें तत्पर करते हैं। प्रश्न है कि प्रसन्नता का यह आलम जो होली के दिनों में जुनून बन जाता है, कितना स्थायी है? डफली की धुन एवं डांडिया रास की झंकार में मदमस्त मानसिकता ने होली जैसे त्योहार की उपादेयता को मात्र इसी दायरे तक सीमित कर दिया, जिसे तात्कालिक खुशी कह सकते हैं, जबकि अपेक्षा है कि रंगों की इस परम्परा को दीर्घजीविता प्रदान की जाए। स्नेह और सम्मान का, प्यार और मुहब्बत का, मैत्री और समरसता का ऐसा शमां बांधना चाहिए कि जिसकी बिसात पर मानव कुछ नया भी करने को प्रेरित हो सके, आपसी रिश्तों में प्रेम एवं ऊर्जा का संचार करें। कहते हैं प्यार और नफरत एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। प्यार पूरी तरह सकारात्मकता और ऊर्जा से भरा भाव है, इसके उलटे नफरत नकारात्मकता और गुस्से से भरा। ऐसा क्यों होता है कि जिससे एक वक्त में हम प्यार करते हैं, उससे ही कुछ समय बाद नफरत करने लगते हैं? प्यार वाला रिश्ता हमारा कइयों के साथ होता है, इन रिश्तों को होली का पर्व नये आयाम एवं नये रंग देता है। जिनसे हम प्यार करते हैं, हमेशा उनकी खुशी चाहते हैं, उनके लिए मन में कोई दुर्भावना या खीझ नहीं होती। उनका हमारी जिंदगी में होना ही हमारे लिए काफी होता है। अमेरिकी लेखक और चिंतक डेनियल कार्डवेल कहते हैं, 'हम हमेशा दिल से प्यार करते हैं। इसके उलट नफरत की भावना दिमाग से उपजती है।' होली दिलों से जुड़ी भावनाओं का पर्व है। यह मन और मस्तिष्क को परिष्कृत करता है।

होली-पर्व की सांस्कृतिक परम्परा में अनुपम-अद्भुत है ब्रज की होली। ब्रज की होली विशिष्ट है, विलक्षण है। देश के अन्य भागों में होली होती है एक-दो दिन की किंतु ब्रज में होली होती है 50 दिनों की। ब्रज में बसंत पंचमी के दिन सामूहिक होली जलने वाले स्थानों पर होली का दांड़ा रोप दिया जाता है और वहां लकड़ी, कन्डे आदि एकत्रित होने लगते है। बसंत पंचमी से ही मंदिरों में भगवान के श्रृंगार में अबीर-गुलाल का प्रयोग होने लगता है और धमार के स्वर गूंजने लगते हैं। गांव की चौपालों पर ढोलक खनकने लगती है, झांझ-मंजीरे झंकृत हो उठते है और गूंज उठते है होली के रसिया। भारतीय शास्त्रीय संगीत तथा लोक संगीत की परंपरा में होली का विशेष महत्व है। हिंदी फ़िल्मों के गीत भी होली के रंग से अछूते नहीं रहे हैं। होली के सतरंगी रंगों के साथ सात सुरों का अनोखा संगम देखने को मिलता है! रंगों से खेलते समय मन में खुशी, प्यार और उमंग छा जाते हैं और अपने आप तन मन नृत्य करने को मचल उठता है। लय और ताल के साथ पैर को रोकना मुश्किल हो जाता है। रंग अपना असर बताते हैं, सुर और ताल अपनी धुन में सब को डुबोये चले जाते हैं! शास्त्रीय संगीत में धमार का होली से गहरा संबंध है। ध्रूपद, धमार, छोटे व बड़े ख्याल और ठुमरी में भी होली के गीतों का सौंदर्य देखते ही बनता है। कथक नृत्य के साथ होली, धमार और ठुमरी पर प्रस्तुत की जाने वाली अनेक सुंदर बंदिशें आज भी अत्यंत लोकप्रिय हैं- चलो गुंइयाँ आज खेलें होरी कन्हैया घर। इसी प्रकार संगीत के एक और अंग ध्रूपद में भी होली के सुंदर वर्णन मिलते हैं।

गर्मियों में मूंग की उन्नत खेती

मूंग भारत में उगाई जाने वाली दलहनी फसलों में महत्वपूर्ण स्थान रखती है। इसमें 24 प्रतिशत प्रोटीन के साथ-साथ रेशे एवं लौह तत्व भी प्रचुर मात्रा में पाये जाते हैं। मूंग की जल्दी पकने वाली एवं उच्च तापमान को सहन करने वाली प्रजातियों के विकास के कारण जायद में मूंग की खेती लाभदायक हो रही है। मूंग की उन्नत तकनीक अपनाकर जायद ऋतु में फसल का उत्पादन 10-15 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक लिया जा सकता है।

बोने का समय

ग्रीष्मकालीन मूंग की बुआई का अनुकूल समय 10 मार्च से 10 अप्रैल होता है ग्रीष्मकाल में मूंग की खेती करने से अधिक तापमान तथा कम आर्द्रता के कारण बीमारियों तथा कीटों का प्रकोप कम होता है। परंतु इससे देरी से बुआई करने पर गर्म हवा तथा वर्षा के कारण फल्लियों को नुकसान होता हैं। अप्रैल में शीघ्र पकने वाली प्रजातियों को लगाना उत्तम होता है।

भूमि और तैयारी

मूंग को रेतीली से काली कपास वाली सभी प्रकार की मृदाओं में उगाया जा सकता है परंतु इसकी खेती के लिये अच्छे जलनिकास वाली दोमट मृदा सर्वोत्तम होती है। क्षारीय एवं अम्लीय भूमि मूंग की खेती के लिये उपयुक्त नहीं होती है। जायद की फसल के लिये पलेवा देकर खेत की तैयारी करनी चाहिये। 2-3 जुताई देशी हल से करने के बाद पाटा लगाना चाहिये जिससे मृदा भुरभुरी हो जाये और भूमि में नमी संरक्षित रहे।

बीजदर एवं बीजोपचार

ग्रीष्मकालीन मूंग की बुआई हेतु 20-25 किलोग्राम बीज प्रति हेक्टेयर की दर से पर्याप्त होता है। बीजों को 2.5 ग्राम थायरम एवं 1.0 ग्राम कार्बेन्डाजिम या 4-5 ग्राम ट्राइकोडर्मा प्रति किलो बीज की दर से उपचारित करें। फफूंदनाशी से बीजोपचार के पश्चात् बीज को राइजोबियम एवं पीएसबी कल्चर से उपचारित करें। राइजोबियम कल्चर से उपचारित करने के लिये 25 ग्राम गुड़ तथा 20 ग्राम राइजोबियम एवं पीएसबी कल्चर को 50 मिलीलीटर पानी में अच्छी तरह से मिलाकर 1 किलोग्राम बीज पर हल्के हाथ से मिलाना चाहिये एवं बीज को 1-2 घंटे छायादार स्थान पर सुखाकर बुआई के लिये उपयोग करना चाहिये।

बुआई का तरीका

मूंग को 25-30 सेमी कतार से कतार तथा 5-7 सेमी पौधे से पौधे की दूरी पर बुआई करें एवं बीज को 3-5 सेमी गहराई पर बोना चाहिये जिससे अच्छा अंकुरण प्राप्त हो सके।

पोषक तत्व प्रबंधन

सामान्य रूप से मूंग की फसल में 15-20 किलोग्राम नत्रजन, 40-60 किलोग्राम स्फुर तथा 20-30 किलोग्राम पोटाश एवं 20 किलोग्राम गंधक प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करें। सभी उर्वरकों को बुआई के समय डालना चाहिये।

जल प्रबंधन

जायद में हल्की भूमि में 4-5 बार सिंचाई की जबकि भारी भूमि में 2-3 बार सिंचाई की आवश्यकता होती है। यह ध्यान रखना आवश्यक होता है कि शाखायें बनते समय तथा दाना भरते समय भूमि में नमी पर्याप्त रहे।

खरपतवार प्रबंधन

जायद की फसल में पहली सिंचाई के पश्चात् हस्तचालित हो या हाथ से निंदाई करके खरपतवार निकालें। दूसरी निंदाई फसल में आवश्यकतानुसार की जा सकती है।

रोग प्रबंधन

मूंग में फफूंदजनित रोगों में चूर्णी कवक, मैक्रोफोमिना झुलसन, सरकोस्पोरा पर्ण दाग तथा एन्थ्रेक्नोज प्रमुख हैं। इन रोगों की रोकथाम के लिये रोगरोधी किस्मों का चयन करें उचित बीजोपचार करें, समय पर नींदा नियंत्रण करें तथा खेत में उचित जल निकास रखें। तथा बुआई के 30 दिन बाद फसल पर कार्बेन्डाजिम दवा की 500 ग्राम मात्रा 500 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। आवश्यकतानुसार 15 दिन बाद छिड़काव दोबारा कर सकते हैं। इसके अलावा मूंग में पीला मोजेक या पीली चितेरी रोग अधिक लगता है यह एक विषाणुजनित रोग है जिसका एक पौधे से दूसरे पौधे में संक्रमण सफेद मक्खी द्वारा होता है। सर्वप्रथम नई पत्तियों की नसों के बीच में पीले और हरे रंग के कोणीय धब्बे पड़ते हैं बाद में प्रभावित पत्तियों का पीलापन धीरे-धीरे बढ़ता जाता है और पूरी पत्ती पीली पड़ जाती है। इसकी रोकथाम के लिये रोगरोधी प्रजातियां लगायें। खेत में ध्यान देने योग्य बात यह है कि प्रारंभ में कुछ ही रोगी पौधे होते है जिन्हें लक्षण दिखते ही उखाड़कर नष्ट कर दें और सफेद मक्खी की रोकथाम करें। सफेद मक्खी के नियंत्रण के लिये इमिडाक्लोप्रिड की 150 मिली या डाइमिथिएट की 400 मिली प्रति हेक्टेयर मात्रा 400 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें और 12-15 दिन में छिड़काव दोहरायें। सफेद मक्खी के पोषक खरपतवारों को खेत की मेड़ों पर या आसपास न रहने दें।

कीट प्रबंधन

मूंग की फसल पर काटने वाले एवं रसचूसक दोनों प्रकार के कीटों का प्रकोप होता है। भेदक कीटों में पिस्सू भृंग, फली भेदक कीट तथा पत्ती मोड़क कीट प्रमुख हैं जिनके नियंत्रण के लिये प्रोफेनोफॉस की 1 लीटर या क्लोरेन्ट्रानिलिट्रोल की 500 मिली या स्पाइनोसैड की 125 ग्राम मात्रा प्रति हेक्टेयर की दर से दो बार छिड़काव करें।

रस चूसक कीटों जैसे सफेद मक्खी, थ्रिप्स या जैसिड्स के नियंत्रण के लिये इमिडाक्लोप्रिड की 150 मिली या डाइमिथिएट की 400 मिली प्रति हेक्टेयर मात्रा का छिड़काव करें।

भेदक एवं रसचूसक दोनों प्रकार के कीटों का प्रकोप होने पर प्रोफेनोसाइपर दवा की 1 लीटर मात्रा प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव कर कीटों का नियंत्रण किया जा सकता है।

कटाई, गहाई एवं भंडारण

जब मूंग की 85 प्रतिशत फलियां परिपक्व हो जायें तब फसल की कटाई करें। अधिक पकने पर फलियां चटक सकती हैं अतः कटाई समय पर किया जाना आवश्यक होता है। कटाई उपरांत फसल को गहाई करके बीज को 9 प्रतिशत नमी तक सुखाकर भंडारण करें।

तिल की उन्नत खेती

15 फरवरी 2022, तिल की उन्नत खेती - भारत में तिल की फसल की खेती मुख्य रूप से खरीफ ऋतु के रूप में की जाती है। तिल जल भराव के लिये अतिसंवेदनशील होती है, इसलिए इस फसल की सफल खेती अच्छी जल निकास वाली मिट्टी के साथ कम वर्षा वाले क्षेत्रों में आसानी से की जा सकती हैं भारत वर्ष में तिल की खेती गुजरात, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, राजस्थान, आन्ध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल तथा हिमाचल में की जाती है। देश के तिल उत्पादन का 20 प्रतिशत अकेले उत्तरप्रदेश से प्राप्त होता है। तिल की खेती शुद्ध एवं मिश्रित रूप में की जाती है। मैदानी क्षेत्रों में तिल की खेती आमतौर पर ज्वार, बाजरा, अरहर के साथ मिश्रित रूप में की जाती है।

भूमि

तिल की खेती के लिए उचित जल निकास वाली हल्की बलुई दोमट मृदा सर्वोत्तम होती है। 7 से 8 पी.एच. मान वाली भूमि में इसे आसानी से उगाया जा सकता है।

खेत की तैयारी

एक जुताई मिट्टी पलट हल (हैरो) से तथा 2-3 जुताई देशी हल या कल्टीवेटर से करके खेत को तैयार कर लें। रोटावेटर की 1 जुताई पर्याप्त होती है। एक हेक्टेयर में 10-15 टन गोबर की सड़ी हुई खाद अच्छी प्रकार मिला दें। खेत की तैयारी के समय नीम की खली डालना लाभकारी होता है। जिसके फलस्वरूप फंगस द्वारा होने वाले रोगों का नियंत्रण हो जाता है। बुवाई के समय खेत में पर्याप्त नमी होना आवश्यक है ताकि अच्छा अंकुरण हो सके।

बीज का चुनाव

फसल का अच्छा उत्पादन प्राप्त करने की लिए अच्छी किस्म के प्रमाणित बीज का प्रयोग करें। तिल की कुछ महत्वपूर्ण प्रतातियाँ इस प्रकार है- शेखर, टी-78, प्रगति, आर.टी.-350, आर.टी.-351, टी.के.जी.-21, टी.के.जी.-306, हरियाणा तिल-1 व माधवी। एक हेक्टेयर के लिए 3-4 किलो बीज पर्याप्त होता है।

बीज उपचार

जड़ एवं तना गलन रोग से बचाव के लिए बुवाई से पूर्व ट्राइकोडर्मा विरिडी 4 ग्राम प्रति किग्रा बीज की दर से उपचारित करें। बुवाई से पूर्व 2.5 किग्रा ट्राइकोडर्मा विरिडी को 2.5 टन गोबर की खाद में मिलाकर खेत में प्रयोग करने से जड़ एवं तना गलन सडन् रोग की रोकथाम हो जाती है।

बुवाई का समय

फसल की बुवाई के समय का फसल उत्पादन में सीधा महत्व होता है। मानसून की पहली वर्षा के बाद जुलाई के प्रथम सप्ताह में तिल की बुवाई अवश्य कर दें। देर से बुवाई करने पर उत्पादन पर विपरीत प्रभाव पड़ता है।

बुवाई विधि

तिल की बुवाई में गहराई का विशेष ध्यान रखें। बीज को कम गहराई 4-5 सेमी. पर हल के पीछे 30345 सेमी पर बोने से अच्छी पैदावार प्राप्त होती है।

खाद एवं उर्वरक

अगर संभव हो तो मिट्टी की जाँच कराकर संतुलित खाद एवं उर्वरकों का प्रयोग किया जाये। बुवाई से पूर्व 250 किग्रा जिप्सम का उपयोग फसल उत्पादन को बढ़ाता है। बुवाई से पूर्व नीम की खली का प्रयोग भी अति लाभकारी सिद्ध होता है। मिट्टी की जाँच संभव ना हो पाने पर सिंचित क्षेत्रों में 50 किग्रा नाइट्रोजन, 30 किग्रा फास्फोरस, 20 किग्रा पोटाश प्रति हेक्टेयर वर्षा आधारित क्षेत्रों में 25 किग्रा नाइट्रोजन, 20 किग्रा फास्फोरस प्रति हेक्टेयर प्रयोग करें। 20 किग्रा गंधक प्रति हेक्टेयर प्रयोग से पैदावार में अप्रत्याशित वृद्धि होती है। सिंचित क्षेत्रों में नाइट्रोजन की आधी मात्रा व अन्य उर्वरकों की पूरी मात्रा बुवाई के समय व नाइट्रोजन की शेष मात्रा बुवाई के एक माह बाद फसल में प्रयोग करें।

सिंचाई

तिल की फसल वर्षा ऋतु में लगायी जाती है। आमतौर पर सिंचाई की आवश्यकता नहीं पड़ती है। वर्षा ना होने की दशा में जब फसल में 60 प्रतिशत तक फलियाँ बन जायें तो उस समय सिंचाई करना आवश्यक होता है।

निराई-गुड़ाई

आवश्यकतानुसार निराई-गुड़ाई करके फसल को खरपतवार मुक्त कर दें। खरपतवार नियंत्रण नहीं होने पर पैदावार कम होती है। निराई-गुड़ाई संभव न होने पर एलाक्लोर 2.5 किग्रा. दाना या 1.5 ली0 प्रति हैक्टेयर बुवाई से पूर्व प्रयोग करें अथवा पेंडीमेथालिन 30 ई.सी. की 1 लीटर सक्रिय तत्व 3.3 लीटर दवा को 800 लीटर पानी में मिलाकर बुवाई के तुरन्त बाद 1-2 दिन में छिडक़ाव करने से फसल में खरपतवार नहीं उगते हैं।

फसल की कटाई- जब फलियों (कैप्सूल) का रंग पीला पड़ जाये तो वह कटाई का उपयुक्त समय होता है। इसके बाद फलियाँ फटने लगती है और बीज बिखरने लगता है। उचित समय पर कटाई करके सुखाकर फसल की गहाई करके बीज को अलग कर लेते हैं और 8 प्रतिशत नमी पर भण्डारण करें।

फसल की कीटों से सुरक्षा

तिल में पत्ती व फल की सूँडी का अधिक प्रकोप होता है। सूडियाँ पत्तियों व फलों को खाकर जाला बना देती है।

कीट नियंत्रण फसल में जैविक कीट नियंत्रण पर बल दें क्योंकि रसायनिक कीट नियंत्रण में फसल की लागत बढने् के साथ-साथ फसल की गुणवत्ता पर भी विपरीत प्रभाव पड़ता है। अतः जैविक नियंत्रण के अंतर्गत बुवाई के पूर्व नीम की खली 250 किग्रा प्रति हेक्टेयर और ट्राइकोडर्मा हारजिएनम 4 ग्राम प्रति किग्रा बीज उपचार के साथ-साथ 2.5 किग्रा प्रति हेक्टेयर भूमि में मिलायें। फसल डेढ़ माह की हो जाने पर नीम आधारित एजेडिरीक्टीन की 3 मिली मात्रा प्रति लीटर के दर से फसल पर छिडक़ाव करें अथवा नीम का तेल 10 मिली प्रति लीटर पानी के दर से छिडक़ाव करें। मूँग के साथ मिश्रित खेती करने से फसल में कीटों का प्रकोप कम होता है और पैदावार बढ़ जाती है।

रोग नियंत्रण

तिल की फाइलोडी- यह माइक्रोप्लाजमा द्वारा होता है। इस रोग से पौधों का पुष्प विन्यास पत्तियों का विकृत रूप में बदलकर गुच्छा बन जाता है।

फाइटोप्थोरा झुलसा- रोग आने पर पौधों की पत्तियाँ व कोमल भाग झुलस जाते हैं।

समन्वित रोग नियंत्रण के लिए ट्राइकोडर्मा विरिडी 4 ग्राम प्रति किग्रा बीज उपचारित करके बुवाई करें। नीम तेल 10 मिली प्रति लीटर पानी का घोल बनाकर छिडक़ाव करें।

मारियुपोल का हाल देखकर दहले ग्रीक डिप्लोमेटः कहा-

जो मैंने देखा, वो किसी को ना देखना पड़े

जेलेंस्की बोले- रूसी आतंक सदियों तक याद रहेगा

कीव

यूक्रेन पर रूसी हमले को 25 दिन हो चुके हैं। इन 25 दिन में यूक्रेन के कई शहर पूरी तरह तबाह हो चुके हैं। कभी रोशनी और चमक-दमक से सराबोर रहने वाला मारियुपोल शहर तो पूरी तरह खंडहर में तब्दील हो गया है। मारियुपोल से अपने

देश लौटे ग्रीक डिप्लोमेट मैनोलिस एंड्रोलाकिस ने इस शहर की बर्बादी का आंखों देखा हाल मीडिया से बयान किया। रविवार को एथेंस एयरपोर्ट पर एंड्रोलाकिस ने कहा- मैंने वहां जो देखा, उम्मीद करता हूं कि वो किसी को न देखना पड़े। मारियुपोल जल्द ही उन शहरों की फेहरिस्त का हिस्सा बन जाएगा, जो युद्ध में पूरी तरह तबाह हो गए थे। ग्रीक विदेश मंत्रालय के मुताबिक, एंड्रोलाकिस मारियुपोल छोड़ने वाले आखिरी यूरोपियन डिप्लोमैट थे। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोल्दोमिर जेलेंस्की ने शनिवार को कहा कि मारियुपोल की रूसी घेराबंदी एक ऐसा आतंक है, जिसे आने वाली सदियों तक याद किया जाएगा। रूसी सैनिकों ने 1 मार्च को मारियुपोल की घेराबंदी की थी। इसके बाद से दिनोंदिन शहर के हालात बिगड़ते जा रहे हैं।

इजराइल से यूक्रेनी यहूदियों की रक्षा करने की अपील

यहूदी मूल के जेलेंस्की ने इजराइल से यूक्रेनी यहूदियों की रक्षा करने की अपील

पहले

बाद में

की। उन्होंने कहा, हर कोई जानता है कि आपका मिसाइल डिफेंस सिस्टम बेस्ट है और आप निश्चित तौर पर हमारे लोगों की मदद करेंगे। जेलेंस्की की अपील के बाद इजराइली विदेश मंत्री याइर लैपिड ने कहा, हम यूक्रेन की जितनी हो सकेगी, उतनी मदद करेंगे।

यूक्रेन का दावा- मारियुपोल में 2,500 लोगों की मौत

यूक्रेन का दावा है कि रूसी हमले में मारियुपोल के 2,500 से अधिक नागरिकों मारे जा चुके हैं। शहर में करीब 3.5 लाख लोग फंसे हुए हैं। वे बिजली, पानी और दवा जैसी जरूरी चीजों के बिना जीने को मजबूर हैं। गैस भी नहीं मिल रही है, ऐसे में माइनस 5 डिग्री टेम्परेचर में जान बचाना इन लोगों के लिए सबसे बड़ी चुनौती है।

ध्वस्त ड्रामा थिएटर का मलबा हटाने का काम चौथे दिन भी जारी

मारियुपोल में 1300 बच्चों-महिलाओं की बेसमेंट में मौजूदगी वाले ड्रामा थिएटर का मलबा हटाने का काम चौथे दिन भी जारी रहा। हालांकि, कोई शव नहीं मिला है। इस कारण अब भी यहां बच्चों-महिलाओं के जिंदा होने की उम्मीद की जा रही है। इस थिएटर को चार दिन पहले रूसी फाइटर जेट्स ने मिसाइल से निशाना बनाया था, जिसकी हर किसी ने आलोचना की थी।

यूक्रेन में मारे गए छात्र का शव भारत आया : गांव में वीरा शैव परम्परा से हुई पूजा

1 मार्च को यूक्रेन के खार्किव में गोलाबारी में मारे गए नवीन शेखरप्पा ज्ञानगौदर का पार्थिव शरीर सोमवार तड़के तीन बजे बेंगलुरु पहुंच गया है। बेटे का शव देखते ही पिता शंकरप्पा कॉफिन से लिपटकर बिलखकर रोने लगे। वहां मौजूद लोगों ने उन्हें संभाला। इसके बाद शव को गांव ले जाया गया, जहां वीरा शैव परम्परा से शव का पूजन हुआ। शव अंतिम दर्शन के लिए रखा गया है, इसके बाद उसे दावणगेरे के SS अस्पताल को मेडिकल स्टडीज के लिए दान किया जाएगा। इससे पहले कर्नाटक के मुख्यमंत्री बासवराज बोम्मई ने बेंगलुरु एयरपोर्ट पहुंचकर नवीन को अंतिम श्रद्धांजलि दी। नवीन के पिता शंकरप्पा ने कहा- मेरा बेटा चिकित्सा के क्षेत्र में कुछ हासिल करना चाहता था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। कम से कम उसके शरीर का उपयोग अन्य मेडिकल छात्र पढ़ाई के लिए कर सकते हैं। इसलिए, हमने चिकित्सा अनुसंधान के लिए अपने बेटे का शरीर दान करने का फैसला किया है। रूसी गोलीबारी में हुई थी नवीन की मौत 21 साल के नवीन शेखरप्पा ज्ञानगौदर खार्किव नेशनल मेडिकल यूनिवर्सिटी में MBBS के छात्र थे।

कोरोना के कोहराम से हॉन्गकॉन्ग बेहाल

अंतिम संस्कार के लिए ताबूत कम पड़ गए, रेफ्रिजरेटर में रखे जा रहे शव

दुनिया के मुकाबले डेथ रेट 5 गुना ज्यादा

हॉन्गकॉन्ग

हॉन्गकॉन्ग में कोरोना की बेकाबू रफ्तार ने लोगों का हाल बेहाल कर दिया है। हॉन्गकॉन्ग दक्षिण कोरिया के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा हॉटस्पॉट बन चुका है। यहां संक्रमितों का आंकड़ा 10 लाख को पार कर गया, इसमें भी 7 लाख मामले तो इस महीने ही सामने आए। सबसे ज्यादा डराने वाली बात मौतों का तेजी से बढ़ता आंकड़ा है। हालत यह हो चुकी है कि देश में अंतिम संस्कार के लिए ताबूत कम पड़ रहे हैं। शवों को रेफ्रिजरेटर शिपिंग कंटेनरों में रखना पड़ रहा है। श्मशान घाट 24 घंटे खुले हैं। अधिकारियों ने 2,300 शवों को रखने के लिए पार्किंग डेक में 50 कंटेनर रखे हैं।

हर दिन मिल रहे औसतन 22,000 केस

हॉन्गकॉन्ग में रोजाना औसतन 22,000 केस सामने आ रहे हैं। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के डेटा के मुताबिक, हॉन्गकॉन्ग की मृत्युदर अमेरिका के पीक से 3 गुना है। यहां नए संक्रमितों के मुकाबले मृत्युदर 1.4 फीसदी है, जो दुनिया की 0.28 फीसदी मृत्युदर से 5 गुना है। जबकि, सबसे ज्यादा 3.85 लाख केस दक्षिण कोरिया में मिल रहे हैं, लेकिन वहां मृत्युदर सिर्फ 0.08 फीसदी ही है। हॉन्गकॉन्ग में 1 जनवरी से अब तक 5,000 से ज्यादा मौतें हो चुकी हैं। उससे पहले 2020 और साल 2021 में 200 मौतें ही हुई थी। इस लहर में मरने वाले 87 फीसदी लोग 70 से अधिक उम्र के थे। इनमें से तीन-चौथाई को टीका नहीं लगा।

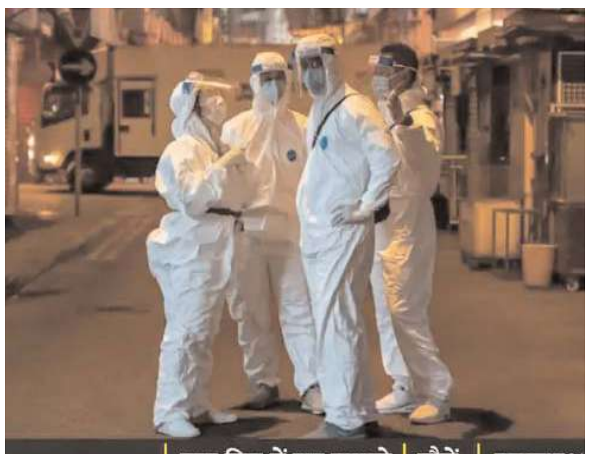

	एक दिन में नए मामले	मौतें	मृत्युदर%
दक्षिण कोरिया	381,329	319	0.08
जर्मनी	168,187	119	0.07
वियतनाम	150618	77	0.05
फ्रांस	98,104	62	0.06
जापान	49210	155	0.3
हॉन्गकॉन्ग	20,082	265	1.4

फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन्स में बढ़ रहा असंतोष

कोरोना को काबू करने के लिए सरकार ने कई तरह की पाबंदियों का ऐलान किया। इस वजह से असंतोष बढ़ता जा रहा है। इसे देखते हुए हांगकांग प्रमुख कैरी लेम ने कहा कि वह सोमवार को पाबंदियों की समीक्षा करेंगी। यह ऐलान फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन्स के रुख के बाद आया है।

नए वैरिएंट ने बढ़ाई चीन की चिंता

चीन 15 मार्च को आज तक के सबसे ज्यादा 5,028 नए केस सामने आए हैं। इसने चीन की चिंता बढ़ा दी है। महामारी के तीसरे साल में और कोरोना के एक और वैरिएंट के चलते शी जिनपिंग परेशान हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा है कि किसी भी स्थिति में कोरोना को नियंत्रित कर फैलने से रोकें।

न्यूज ब्रीफ

पंजाब से आप के 5 राज्यसभा कैंडिडेट घोषित:33 साल के राघव बन सकते हैं सबसे कम उम्र सदस्य

2020 में दिल्ली में चुनाव रणनीति बनाई

2022 में पंजाब चुनाव में बड़ी जीत दिलाई

ब्रिटेन की कैंब्रिज यूनिवर्सिटी से PhD

छत्तीसगढ़ के रहने वाले हैं पाठक

पंजाब। पंजाब से राज्यसभा के लिए आम आदमी पार्टी ने 5 उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। इनमें जालंधर के रहने वाले क्रिकेटर हरभजन सिंह, फगवाड़ा स्थित लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, पार्टी के पंजाब सह इंचार्ज राघव चड्ढा, लुधियाना से इंडस्ट्रियलिस्ट संजीव अरोड़ा और दिल्ली IIT के प्रोफेसर डॉ. संदीप पाठक का नाम शामिल है। 33 साल के राघव चड्ढा का राज्यसभा मेंबर बनना तय ही है। अगर ऐसा होता है तो वे देश के सबसे कम उम्र के राज्यसभा मेंबर होंगे। उधर, पाठक को दिल्ली में 2020 और फिर पंजाब में 2022 के चुनाव में पर्दे के पीछे रहकर अहम भूमिका निभाने का इनाम दिया गया है। अरविंद केजरीवाल ने भी संदीप पाठक के काम की तारीफ की थी। क्रिकेटर हरभजन सिंह जालंधर के रहने वाले हैं और ष्टरूभगवंत मान के करीबी हैं। मान उन्हें स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी की कमान सौंप सकते हैं। आज नामांकन का आखिरी दिन है। चुनाव 31 मार्च को होंगे।

राज्यसभा कैंडिडेट्स के ऐलान के साथ विरोधियों ने उठाई आवाज:- आम आदमी पार्टी के उम्मीदवारों को लेकर विरोधियों ने बाहरी का मुद्दा उठाना शुरू कर दिया है। पूर्व में आप नेता रहे कांग्रेस विधायक सुखपाल खैहरा ने इसका विरोध किया। उनका कहना है कि पंजाबियों को ही पंजाब की आवाज उठाने के लिए राज्यसभा में भेजना चाहिए। अकाली दल के प्रवक्ता हरचरन सिंह बैंस ने भी इसका विरोध किया।

पंजाब से यह सीटें हो रहीं खाली

पंजाब में कांग्रेस के प्रताप सिंह बाजवा और शमशेर सिंह दूलो, अकाली दल के सुखदेव सिंह ढींडसा और नरेश गुजराल के अलावा भाजपा के श्वेत मलिक का कार्यकाल खत्म हो रहा है। इनमें प्रताप सिंह बाजवा इस बार कादियां से विधायक भी बने हैं।

ब्रिटेन में भारतीय मूल की छात्रा की हत्या

स्टूडेंट्स के लिए बनाए गए फ्लैट में मिली डेड बॉडी, गर्दन पर थे गंभीर चोटों के निशान

लंदन

लंदन में भारतीय मूल की एक ब्रिटिश युवती की हत्या कर दी गई। इस मामले में ट्यूनीशिया के एक नागरिक को गिरफ्तार किया गया है। ब्रिटेन की पुलिस ने बताया कि सबिता थानवानी (19) की डेड बॉडी शनिवार को लंदन के क्लर्केंवेल इलाके के आर्बर हाउस में स्टूडेंट्स के लिए बनाए गए फ्लैट में मिली। उसकी गर्दन पर गंभीर चोटों के निशान थे। मामले की जानकारी मिलने पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी। इस दौरान पता चला की सबिता 22 वर्षीय महीर मारूफ के साथ रिलेशनशिप में थी। इसके बाद पुलिस ने महीर को पकड़ने के लिए अपील जारी की। पुलिस ने शक के आधार पर मारूफ को रविवार को क्लर्केंवेल के उसी इलाके से गिरफ्तार किया, जहां से सबिता की डेड बॉडी मिली थी। बताया जा रहा है कि गिरफ्तारी के दौरान उसने पुलिस पर भी हमला किया।

लंदन विश्वविद्यालय की थी छात्रा

सबिता लंदन विश्वविद्यालय से साइकोलॉजी की पढ़ाई कर रही थी। वह फर्स्ट ईयर की छात्रा थी। उसे शुक्रवार को कथित तौर पर मारूफ के साथ देखा गया था। फिलहाल हत्या के कारण का पता नहीं चल पाया है।

आरोपी ट्यूनीशियाई नागरिक है

मेट्रोपोलिटन पुलिस की स्पेशल क्राइम यूनिट की डिटेक्टिव चीफ इंस्पेक्टर लिंडा ब्रैडली ने बताया कि सबिता के परिवार को इस घटना की जानकारी दे दी गई है। उन्होंने कहा- मारूफ और सबिता रिलेशनशिप में थे। मारूफ एक ट्यूनीशियाई नागरिक है, इसलिए उसका कोई पता हमारे पास नहीं है। मामले की जांच जारी है।

रूसी सेना राजधानी कीव के काफी नजदीक पहुंच गई है। हालांकि राजधानी अभी तक उसके कब्जे में नहीं आई। कीव में बमबारी का शिकार हुई बिल्डिंग से बाहर आती महिला।

न्यूज़ीलैंड में 'कश्मीर फाइल्स' पर प्रतिबंधसेंसर बोर्ड पर भड़के पूर्व उपराष्ट्रपति ने कहा-

इस्लाम के नाम पर आतंकवादियों का बचाव नहीं होना चाहिए

नई दिल्ली

भारत में रिलीज होने के बाद से ही चर्चाओं में रही बॉलीवुड फिल्म द कश्मीर फाइल्स अब न्यूजीलैंड में भी सुर्खियां बटोर रही है। दरअसल, इस फिल्म की न्यूजीलैंड में स्क्रीनिंग पर रोक लगा दी गई है। पहले फिल्म को, सर्टिफिकेट के साथ रिलीज की मंजूरी मिल गई थी, लेकिन मुस्लिम समुदाय की मांग पर हुई समीक्षा के बाद सेंसर बोर्ड ने फिल्म पर रोक लगाने का फैसला किया। सेंसर बोर्ड के इस फैसले से न्यूजीलैंड के पूर्व उप राष्ट्रपति भड़क गए हैं। उन्होंने कहा- इस्लाम के नाम पर आतंकवादियों का बचाव नहीं होना चाहिए। न्यूजीलैंड के पूर्व उप राष्ट्रपति विंस्टन पीटर्स ने इसे न्यूजीलैंड समेत दुनिया भर के लोगों की स्वतंत्रता पर हमला बताया है। अपने फेसबुक पोस्ट में पीटर्स ने लिखा- इस फिल्म को सेंसर करना न्यूजीलैंड में 15 मार्च के अत्याचारों की जानकारी को छिपाने की तरह है। पीटर्स ने आगे लिखा कि इस्लाम के नाम पर आतंकवादियों का बचाव नहीं होना चाहिए। आतंकवाद का हर तरह से विरोध किया जाना चाहिए। सेंसर बोर्ड ने इस विवाद पर कहा,

फिल्म सेंसर करने का यह मतलब नहीं है कि देश में फिल्म पर प्रतिबंध लगाया जा रहा है। मुस्लिम समुदाय के सदस्यों ने उनसे संपर्क कर चिंता जताई है कि फिल्म से मुस्लिम विरोधी भावना और घृणा बढ़ सकती है।

अब तक 141 करोड़ का बिजनेस कर चुकी फिल्म

द कश्मीर फाइल्स ने 9 दिनों में 24.80 करोड़ का बिजनेस किया है। 11 मार्च को रिलीज हुई फिल्म ने अब तक बॉक्स ऑफिस पर अब तक 141.21 करोड़ की कमाई की है। ट्रेड पंडितों की मानें तो सोमवार तक फिल्म 175 करोड़ तक पहुंच जाएगी, क्योंकि फिल्म की एडवांस बुकिंग भी काफी ज्यादा है।

कई राज्यों में हो चुकी टैक्स फ्री

मध्य प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, गोवा और त्रिपुरा को मिलाकर आठ राज्यों में फिल्म को पहले टैक्स फ्री किया जा चुका है। अब केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ को मिलाकर यह संख्या नौ हो गई है। चंडीगढ़ ञ प्रशासक की तरफ से रविवार को यह आदेश जारी किया गया, जो सोमवार से लागू हो जाएगा।

दैनिक इंटीग्रेटेड ट्रेड डेवलपमेंट सेंटर न्यूज
98 26 22 00 22

अर्थव्यवस्था, शिक्षा, नियोजन, उद्भव, पर्यावरण, मनोरंजन.

आपकी बात आपके साथ

न्यूज ब्रीफ

बायो-बबल में मुंबई इंडियंस चैंपियन:13 हजार स्क्वायर फीट में बनाया MI एरिना

नई दिल्ली। आईपीएल 2022 से पहले बीसीसीआई ने सभी फ्रेंचाइजियों को बायो-बबल नियमों का सख्ती से पालन कराने के लिए दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। अब प्रोटोकॉल को बनाए रखने के लिए मुंबई इंडियंस ने बेहतरीन कदम उठाया है। फ्रेंचाइजी ने मुंबई के जियो वर्ल्ड गार्डन में 13 हजार स्क्वार मीटर में फैला हुआ स्ध्ठ एरिना तैयार किया है। इसमें तमाम सुख-सुविधाएं मौजूद हैं। इतना ही नहीं इसमें टीम के सदस्य व उनके परिवार के अलावा किसी को भी एंट्री नहीं मिलेगी। मुंबई इंडियंस ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर MI एरिना% का एक वीडियो भी शेयर किया, जिसमें टीम के कप्तान रोहित शर्मा पुष्पा स्टाइस में चलते नजर आए। साथ ही उन्हें अन्य खिलाड़ियों के साथ किड्स सेक्शन में फायरिंग करते भी देखा गया। जसप्रीत बुमराह भी हाथों में गन लिए नजर आए। टीम के बाकी प्लेयर्स को भी स्ध्ठ एरिना में फायरिंग करते और पोलो खेलते देखा जा सकता है।

खिलाड़ियों को एक-दूसरे से जोड़ने का बेहतर तरीका

मुंबई इंडियंस के एक अधिकारी ने अपने बयान में कहा- स्ध्ठ एरिना को सीजन के दौरान खिलाड़ियों को आपस में एक-दूसरे से बेहतर तरीके से जोड़ने और जानने के लिए बनाया गया है। पिछले 2 सालों में लोगों ने कई चुनौतियों का सामना किया है, लेकिन हम एक परिवार हैं और यह स्ध्ठ की ये जिम्मेदारी है कि वह सभी को सुरक्षित और खुश रखें।

फुटबॉल मैदान से लेकर कैफे तक की सुविधा

स्ध्ठ एरिना में फुटबॉल मैदान, बॉक्स क्रिकेट, पिकल बॉल कोर्ट, फुट वॉलीबॉल, स्ध्ठ बैटल ग्राउंड, किड्स जोन और स्ध्ठ कैफे है। इसके अलावा टीम होटल में रहेगी, जिसमें अत्याधुनिक जिम, मसाज चेयर्स के साथ लाउंज रूम, गेमिंग कंसोल, आर्केड गेम, इनडोर बास्केटबॉल शूटर, म्यूजिक बैंड के लिए एक अलग स्टेज, टेबल टेनिस, कैफे, पूल टेबल, बच्चों के खेलने का एरिया शामिल है।

27 को दिल्ली से पहला मैच

रिकॉर्ड 5 बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस अपना पहला मुकाबला दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ ब्रेबोर्न स्टेडियम में खेलेगी। टीम में रोहित शर्मा के अलावा जसप्रीत बुमराह, कीरोन पोलार्ड, ईशान किशन और सूर्यकुमार यादव जैसे स्टार खिलाड़ी मौजूद हैं।

इंडियन वेल्स : फ्रिट्ज ने नडाल को हराकर जीता खिताब, ये रिकॉर्ड भी बनाया

कैलिफोर्निया

राफेल नडाल को इंडियन वेल्स के फाइनल में टेलर फ्रिट्ज से सीधे सेटों में हार का सामना करना पड़ा। यह इस साल उनका 21वां मैच था। इस साल नडाल की यह पहली हार थी। 35 वर्षीय नडाल को इलाज के लिए कोर्ट से उस समय बाहर जाना पड़ा, जब वह 4-0 से पिछड़े हुए थे। कोर्ट पर वापसी के बाद नडाल अधिक सहज दिखे, लेकिन फ्रिट्ज ने फिर भी 6-3 7-6 (7-5) से जीत हासिल की। फ्रिट्ज 2001 में आंद्रे अगासी के बाद इंडियन वेल्स में जीतने वाले पहले अमरीकी बन गए। 24 वर्षीय फ्रिट्ज ने जीत के बाद कहा, %यह उन बचपन के सपनों में से एक है, जिसके बारे में मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि यह सच होगा।% उन्होंने अपने दूसरे एटीपी टूर खिताब और पहली मास्टर्स 1000 जीत हासिल करने के लिए टाई-ब्रेक जीतने से दो ब्रेक पॉइंट बचाए। एंड्री रुबलेव के खिलाफ सेमीफाइनल कै दौरान फ्रिट्ज के टखने में चोट लगने के बाद उनकी फिटनेस को लेकर चिंता थी, लेकिन फाइनल में उनपर इसका कोई प्रभाव नहीं दिखा।

सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया : नडाल

फ्रिट्ज ने कहा, मैं आपके बता नहीं सकती कि खेलना कितना मुश्किल रहा, मैं आज कैसे खेल सका, मैंने कभी भी ऐसे दर्द का अनुभव नहीं किया जैसा मैच से पहले किया था। मैं कड़ी मेहनत करने की कोशिश कर रहा था और हमने मैच तक काफी काम किया। इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलियन ओपन में जीत हासिल वाले स्पैनियाड नडाल ने 2022 में अपने पिछले 20 मैच जीते थे। लेकिन उन्होंने मैच में फ्रिट्ज की तुलना में अप्रत्याशित गलतियां कीं। नडाल ने कहा, मैंने पिछले दो हफ्तों के दौरान अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया, आज संभव नहीं था। मेरे विचार से अंत तक मैनें अच्छा मुकाबला किया। मुझे यहां खेले काफी समय हो गया है, लेकिन मैं वापस आकर बहुत खुश हूं और वास्तव में इसका भरपूर आनंद ले रहा हूं।

वेस्टइंडीज- इंग्लैंड दूसरा टेस्ट ड्रॉ

ब्रेथवेट ने तोड़ा लारा का 18 साल पुराना रिकॉर्ड

WTC पॉइंट्स टेबल में भारत चौथे नंबर पर

नई दिल्ली

वेस्टइंडीज और इंग्लैंड के बीच बारबाडोस में खेला गया दूसरा टेस्ट ड्रॉ पर समाप्त हुआ। वेस्टइंडीज के सामने 282 रन का टारगेट था। टारगेट का पीछे करते हुए WI का स्कोर एक समय 89/4 था और इंग्लैंड को जीत का फेवरेट माना जा रहा था। लेकिन विंडीज के लिए मैच बचाने का काम कप्तान क्रेग ब्रेथवेट ने किया। पहली पारी में लगभग 710 मिनट बैटिंग करने वाले क्रेग ने दूसरी पारी में भी ENG को खूब परेशान किया। ब्रेथवेट ने 184 गेंदों का सामना करते हुए नाबाद 56 रन बनाए और मैच को ड्रॉ कराया। पहली पारी में विंडीज कप्तान ने टेस्ट क्रिकेट में बल्लेबाजी का बढ़िया परिचय देते हुए 160 रनों मैराथन पारी खेली थी। उन्होंने 489 गेंदों का सामना किया और लगभग 710 मिनट बैटिंग की।

क्रेग ने तोड़ा लारा का रिकॉर्ड

इस मुकाबले की दोनों पारियों में क्रेग ब्रेथवेट ने 673 गेंदें खेली और पूर्व दिग्गज ब्रायन लारा का रिकॉर्ड तोड़ दिया। ब्रेथवेट अपने देश के लिए एक टेस्ट सबसे ज्यादा गेंदें खेलने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। लारा ने 2004 इंग्लैंड के ही खिलाफ 400 रनों की ऐतिहासिक पारी के दौरान 582 गेंदें खेली थी।

जैक लीच के नाम भी दर्ज हुआ रिकॉर्ड

ENG के ऑफ स्पिनर जैक लीच पूरे मुकाबले में कुल 94.5 ओवर बॉलिंग की। इसके साथ ही वह पिछले 60 सालों में वह एक मैच में ENG के लिए सबसे ज्यादा ओवर डालने वाले गेंदबाज बन गए हैं। 1962 में टॉनी लॉक्स ने पाकिस्तान के खिलाफ 115 ओवर गेंदबाजी की थी। जैक लीच ने पहली पारी में 69.5 ओवर की गेंदबाजी की और 3 विकेट लिए। दूसरी पारी में उन्होंने 25 ओवर डाले और 3 विकेट चटकाए। बारबाडोस टेस्ट ड्रॉ होने के साथ ही वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप पॉइंट्स टेबल में वेस्टइंडीज और इंग्लैंड की हालात काफी खराब है। विंडीज 25 फीसदी पॉइंट्स के साथ 9वें और इंग्लैंड 11.67 फीसदी पॉइंट्स के साथ 10वें स्थान पर है। श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप करने वाली भारतीय टीम 58.33 फीसदी पॉइंट्स के साथ चौथे पायदान पर बरकरार है।

कभी आंकड़ों के पीछे नहीं भागता, निजी उपलब्धियां यात्रा का हिस्सा : अश्विन

मुंबई

भारत की तरफ से टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में हाल में दूसरे नंबर पर काबिज होने वाले दिग्गज ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कहा कि वह कभी आंकड़ों के पीछे नहीं भागते तथा निजी उपलब्धियों को यात्रा का हिस्सा मानते हैं, अंतिम लक्ष्य नहीं। अश्विन ने श्रीलंका के खिलाफ हालिया टेस्ट श्रृंखला में 15.08 की औसत से 12 विकेट लिए। इस बीच उन्होंने कपिल देव के 434 विकेट के आंकड़े को पीछे छोड़ा। उनके नाम पर अब 442 विकेट दर्ज हैं और विश्व में सर्वाधिक टेस्ट विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में आठवें स्थान पर पहुंच गए हैं। अश्विन ने कहा, 'आंकड़े देखने में अच्छे लगते हैं और देखकर अच्छा लगता है कि आंकड़ों के मामले में मैंने क्या हासिल किया है। मैं जितना अधिक खेला, उतना मुझे लगा कि आंकड़े अंतिम लक्ष्य नहीं बल्कि आपकी यात्रा का हिस्सा हैं।

उन्होंने कहा, 'पिछले दो तीन वर्षों में विशेषकर बहुत अच्छा लग रहा है। ऑस्ट्रेलिया में श्रृंखला जीत, टी20 टीम में वापसी, यह वैसा ही अहसास था जब मैंने पहली बार टीम में जगह बनाई थी।% यह 35 वर्षीय स्पिनर आगामी आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स की तरफ से खेलेगा जो इस लीग में उनकी पांचवीं फ्रेंचाइजी है। उन्होंने कहा कि इस टी20 टूर्नामेंट ने शुरू से उन्हें बेहतर क्रिकेटर बनने में मदद की। अश्विन ने कहा, 'आईपीएल एक मुश्किल टूर्नामेंट है। प्रत्येक सत्र में कई कारक होते हैं जिनका प्रभाव पड़ सकता है। आप इन्हें ओस, पिच, विरोधी टीम कुछ भी नाम दे सकते हैं जो अलग अलग तरह से प्रभाव डालते हैं। इससे इसके लिए तैयारी करना चुनौती होता है। आपको हर समय चुनौतियों के लिए तैयार रहना होगा।% उन्होंने कहा, 'व्यक्तिगत तौर पर हालांकि आईपीएल में खेलना मेरे लिए हमेशा रोमांचक रहा है। आईपीएल आपको प्रयोग करने का मौका देता है जिससे मुझे बेहतर क्रिकेटर बनने में मदद मिलती है।

चैरिटी कप शतरंज : भारत के विदित नें विश्व नंबर 7 हंगरी एक रापोर्ट को हराया

नई दिल्ली

मेल्टवाटर चैंपियंस शतरंज टूर 2022 सीज़न का दूसरा टूर्नामेंट चैरिटी कप के पहले दिन प्रतियोगिता मे भारत के शीर्ष खिलाड़ी विदित गुजराती दो जीत और दो ड्रॉ के साथ चौंथे स्थान पर रहे । विदित नें पहले दिन विश्व नंबर 7 हंगरी के रिचर्ड रापोर्ट को पराजित किया तो साथ ही चीन की लेई टिंगजी को मात दी जबकि चेक गणराज्य के डेविड नवारा और हमवतन आर प्रग्गानंधा से ड्रॉ खेला । प्रतियोगिता के अंक फॉर्मेट मे जीतने पर 3 अंक तो ड्रॉ पर 1 अंक दिया जा रहा है ऐसे मे विदित चार राउंड के बाद 8 अंक बनाकर तीसरे स्थान पर रहे । भारत के युवा खिलाड़ी प्रग्गानंधा के लिए भी दिन ठीक बीता उन्होने विश्व महिला शतरंज चैम्पियन जू वेंजून को पराजित किया जबकि विदित के अलावा इंग्लैंड के जोंस गाविन से ड्रॉ खेला जबकि वियतनाम के लीम क्वांग ले से उन्हे हार का सामना करना पड़ा , भारत के पेंटाला हरीकृष्णा के लिए बेहद खराब रहा उन्हे चीन के डिंग लीरेन और विश्व चैम्पियन नॉर्वे के मेगनस कार्लसन से हार का सामना करना पड़ा जबकि चेक गणराज्य के डेविड नवारा और हंगरी के रिचर्ड रापोर्ट से बाजी ड्रॉ पर खत्म हुई । पहले दिन के बाद यूएसए के हैंस नीमन और वियतनाम के लीम क्वांग ले 10 अंक बनाकर सयुंक्त पहले स्थान पर चल रहे है जबकि डिंग लीरेन 9 अंक बनाकर तीसरे स्थान पर है ।

पेनल्टी शूटआउट में केरल ब्लास्टर्स को हराकर चैम्पियन बना हैदराबाद एफसी

मडगांव

गोलकीपर लक्ष्मीकांत कट्टिमणि के शानदार प्रदर्शन से हैदराबाद एफसी ने रविवार को यहां फाइनल में केरल ब्लास्टर्स को पेनल्टी शूटआउट में हराकर पहली बार इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) का खिताब जीता। नियमित और अतिरिक्त समय तक स्कोर 1-1 से बराबर था। इसके बाद पेनल्टी शूटआउट का सहारा लिया गया जिसमें हैदराबाद ने 3-1 से जीत दर्ज की। हैदराबाद के लिए जोआओ विक्टर, खासा कमारा और हलीचरण नारजारी ने गोल किए, जबकि केरल की तरफ से केवल आयुष अधिकारी ही गोल कर पाए। कट्टिमणि ने तीन गोल बचाए। यह तीसरा अवसर है जबकि केरल को फाइनल में हार का स्वाद चखना पड़ा। इससे पहले केपी राहुल ने 68वें मिनट में केरल को बढ़त दिलाई थी लेकिन साहिल तवोरा ने 88वें मिनट में हैदराबाद की तरफ से बराबरी का गोल दाग दिया था।

SUPER HERO

यदि आप

किसी भी व्यक्ति को जानते हैं
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।

हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहें हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा सयुंक्त प्रयास रहेगा।

Contact: Editorial Desk (Lifestyle), ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com

PRESS ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

न्यूज़ ब्रीफ

एजुकेशन लोन लेने से पहले तैयार कर लें पेमेंट प्लान

नई दिल्ली। कोविड के चलते करीब 2 साल एजुकेशन सिस्टम अस्त-व्यस्त था। इसके चलते एजुकेशन लोन का बाजार भी ठंड रहा। लेकिन अब कोरोना का असर कम हो रहा है। कॉलेज और यूनिवर्सिटी खुलने लगे हैं। इस बीच दाखिलों का सीजन शुरू हो गया है। प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी, मेडिकल कॉलेजों और इंजीनियरिंग इंस्टीट्यूशंस में एडमिशन के लिए प्रतियोगी परीक्षाएं शुरू हो रही हैं। दिक्कत यह है कि साल-दर-साल शिक्षा महंगी होती जा रही है। ऑल इंडिया सर्वे ऑफ हायर एजुकेशन के मुताबिक आज की तारीख में किसी लीडिंग प्राइवेट बिजनेस स्कूल से एमबीए करने का खर्च करीब 20 लाख रुपए है। पांच साल पहले यह खर्च 10-12 लाख रुपए था। ऐसे में कई परिवारों को एजुकेशन लोन की जरूरत होगी। हालांकि, इस लोन की मदद से पढ़ाई पूरी करने पर अच्छी तनख्वाह वाली नौकरी न मिलने का जोखिम और कई साल तक कर्ज में डूबे रहने की आशंका बनी रहती है। लेकिन यदि स्मार्ट तरीके से लोन पेमेंट की प्लानिंग पहले ही कर ली जाए तो इस परेशानी से बचा जा सकता है।

लोन की राशि:- लोन की राशि इतनी होनी चाहिए कि कोर्स फीस के अलावा पढ़ाई के अन्य बड़े खर्चे भी कवर हो जाएं। हॉस्टल फीस, लैपटॉप और किताबों पर खर्च इसमें शामिल है। देश-विदेश में पढ़ाई के लिए अधिकतम लोन राशि क्रमश: 10 लाख और 20 लाख रुपए है। हालांकि, आईआईएम, आईआईटी और आईएसबी जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में पढ़ाई के लिए कुछ बैंक या गैर-बैंकिंग कंपनियां इससे ज्यादा लोन भी मंजूर कर सकती हैं।

भुगतान की अवधि:- जब तक कोर्स पूरा नहीं होता तब तक एजुकेशन लोन चुकाने की जरूरत नहीं होती। पढ़ाई पूरी होने के बाद भी बैंक/एनबीएफसी 1 से 2 साल तक का मोरटोरियम पीरियड देती हैं। लेकिन लोन मिलते ही ब्याज लगना शुरू हो जाता है। किस्तें शुरू होने के बाद 15 वर्षों में लोन चुकाना होता है।

ब्याज दर:- आम तौर पर बैंक/NBFC 4 लाख रुपए तक के एजुकेशन लोन के लिए कोलैटरल या गारंटर की मांग नहीं करते हैं। कुछ बैंक 7.5 लाख तक का लोन भी बिना कोलैटरल के दे देते हैं। हालांकि, यदि बैंक/NBFC सह-आवेदक की भुगतान क्षमता से संतुष्ट हैं तो तीसरे पक्ष की गारंटी की जरूरत नहीं पड़ेगी। 7.5 लाख से ज्यादा लोन के लिए प्रॉपर्टी, एफडी, म्यूचुअल फंड, आदि के रूप में बैंक अतिरिक्त सिक्युरिटी मांग सकता है।

मार्जिन मनी:- 4 लाख रुपए तक के एजुकेशन लोन के लिए मार्जिन मनी की जरूरत नहीं पड़ती है। इससे ज्यादा राशि का लोन लेने के लिए भारतीय और विदेशी कोर्स के खर्च का क्रमश- 5 फीसदी और 15 फीसदी का इंतजाम खुद करना होगा। हालांकि यदि आप आईआईटी जैसे किसी प्रतिष्ठित शिक्षा संस्थान में एडमिशन लेना चाहते हैं तो SBI जैसे कुछ बैंक मार्जिन मनी की शर्त नहीं रखते हैं।

ईवी की लोकल मैन्युफैक्चरिंग के लिए निवेश : सुजुकी 10,445 करोड़ रुपए निवेश करेगी, गुजरात में तैयार होंगे इलेक्ट्रिक व्हीकल्स और बैटरी

नई दिल्ली

जापान की कंपनी सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन इलेक्ट्रिक व्हीकल और बैटरी के भारत में लोकल मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ाने के लिए 10,445 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। SMC ने 19 मार्च, 2022 को नई दिल्ली भारत में आयोजित भारत-जापान आर्थिक मंच में जापानी प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में गुजरात राज्य के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। 3100 करोड़ रुपए का निवेश 2025 में सुजुकी मोटर गुजरात में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए मैन्युफैक्चरिंग क्षमता को बढ़ाने के लिए किया जाएगा। 2026 में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए बैटरी बनाने के लिए एक प्लांट स्थापित करने के लिए 7300 करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा।

पीएम मोदी की उपस्थिति में डील हुई

जापानी प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में ये डील हुई। इस दौरान तोशीहिरो सुजुकी प्रतिनिधि निदेशक और अध्यक्ष सुजुकी मोटर कॉरपोरेशन और केनिची आयुकावा, प्रबंध निदेशक और सीईओ, मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड इस समारोह में भारत और जापान के प्रतिष्ठित वरिष्ठ सरकारी कर्मियों के साथ शामिल हुए। वर्तमान में पेट्रोल और डीजल के दाम आसमान छू रहे हैं। दूसरी तरफ लोगों को

इलेक्ट्रिक व्हीकल की मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ाने 3100 करोड़ रुपए का निवेश होगा

इलेक्ट्रिक व्हीकल में यूज होने वाली बैटरी के लिए 7300 करोड़ रुपए का निवेश होगा

इसके उपाय के रूप में इलेक्ट्रिक गाड़ियां दिख रही हैं। सीएनजी और डीजल-पेट्रोल की तुलना में इलेक्ट्रिक गाड़ियां अभी काफी महंगी हैं। ऐसे में सुजुकी का यह निवेश महंगी EV की कीमतों को कम कर सकता है। जब EV का निर्माण भारत में होगा, तो बाजार में कॉम्पिटिशन भी बढ़ेगा। सप्लाई चैन ठीक रहेगी और गाड़ियों के दाम भी कम होंगे।

आत्मनिर्भर भारत के लिए होगा निवेश:- फोरम में बोलते हुए तोशीहिरो सुजुकी ने कहा कि सुजुकी का भविष्य का मिशन छोटी कारों के साथ कार्बन तटस्थता हासिल करना है। उन्होंने कहा कि हम आत्मनिर्भर भारत (आत्म-निर्भर भारत) को साकार करने के लिए भारत में सक्रिय निवेश जारी रखेंगे।

पेट्रोलियम कंपनियों के नुकसान की भरपाई

डीजल की थोक खरीदी पर 28 रुपए तक ज्यादा कीमत चुकानी होगी

रिटेल ग्राहकों पर असर नहीं

नई दिल्ली

तेल कंपनियों ने थोक में डीजल की खरीदी पर 28 रुपए प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी की है। यह कदम पेट्रोल-डीजल पर हो रहे घाटे को कम करने के लिए उठाया गया है। सूत्र के अनुसार ये बढ़ोतरी सिर्फ थोक खरीदारों जैसे बस ऑपरेटरों और मॉल आदि में उपयोग के लिए खरीदे जाने वाले डीजल पर की गई है। रिटेल प्राइज में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है। तेल कंपनियों के अनुसार लगातार पांचवें महीने पेट्रोल पंपों पर बिक्री बढ़ गई है। इसकी वजह यह है कि सस्ते डीजल के लिए बस ऑपरेटरों और मॉल जैसे थोक खरीदार भी पेट्रोलियम कंपनियों से सीधे टैंकर बुक करने की बजाय पंप (फ्यूल डीलर) से डीजल खरीद रहे हैं। इससे पेट्रोलियम कंपनियों का नुकसान और बढ़ा है। इस नुकसान से निपटने के लिए कंपनियां अपने स्तर पर प्रयास कर रही हैं।

मुंबई में 94 रुपए का डीजल 122 में:- मुंबई में थोक खरीदारों के लिए डीजल की कीमत बढ़कर 122.05 रुपए प्रति लीटर हो गई है। यहां पेट्रोल पंपों पर डीजल 94.14 रुपए प्रति लीटर बिक रहा है। ऐसे में थोक खरीदारों को डीजल के लिए प्रति लीटर 28 रुपए ज्यादा चुकाने पड़ रहे हैं। वहीं दिल्ली में पेट्रोल पपों पर डीजल 86.67 रुपए प्रति लीटर है, जबकि थोक या औद्योगिक ग्राहकों के लिए इसकी कीमत 115 रुपए प्रति लीटर है।

मुंबई में थोक खरीदारों को डीजल 122.05 रुपए और दिल्ली में 115 रुपए/लीटर

रिलायंस ने फ्यूल डीलर्स को डीजल सप्लाई में 50% कटौती के लिए कहा

सबसे ज्यादा नुकसान नायरा एनर्जी, जियो-बीपी और शेल को:- सबसे ज्यादा नुकसान नायरा एनर्जी, जियो-बीपी और शेल जैसे निजी रिटेल डिस्ट्रिब्यूटर्स को हुआ है। 2008 में सार्वजनिक क्षेत्र रिटेल डीलर्स को कम कीमत पर पेट्रोल और डीजल बेचने के लिए सरकार ने सब्सिडी दी थी, लेकिन प्राइवेट रिटेल डीलर्स को ऐसी योजना से बाहर रखा गया था। इस बार PSU रिटेल डीलर्स को इन्वेंट्री में हुए फायदे और हाई रिफाइनिंग मार्जिन से अपने नुकसान की भरपाई करने को कहा गया है जो वे अभी कमा रहे हैं। लेकिन प्राइवेट रिटेल डीलर्स जैसे नायरा एनर्जी, जियो-बीपी और शेल जैसी कंपनियों के पास खुदरा घाटे की भरपाई के लिए रिफाइनरियां नहीं हैं। इसी के चलते उन्हें ज्यादा नुकसान हो रहा। ऐसे में पंप बंद करना ही इसके पास आखिरी ऑप्शन रह जाता है।

रिलायंस ने डीजल की सप्लाई घटाई

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने अपने फ्यूल डीलर्स को डीजल सप्लाई में 50 फीसदी कटौती के लिए कहा है। ऐसा इसलिए, क्योंकि कंपनी को इसकी बिक्री पर 10-12 रुपए प्रति लीटर का घाटा हो रहा है। जानकारी के मुताबिक, कंपनी ने गुरुवार से डीजल की सप्लाई को आधा करने का निर्णय बुधवार की रात एक बैठक में लिया। जियो-बीपी के एक डीलर ने बताया कि एरिया मैनेजर ने सूचित किया था कि रिलायंस इंडस्ट्रीज़ दिसंबर 2021 में मेरे द्वारा बेचे गए डीजल वोल्यूम में से केवल आधे की सप्लाई करेगी। वे दिसंबर को बेंचमार्क मानकर चल रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के करीब बने हुए हैं। वहीं तेल कंपनियों ने 3 नवंबर से पेट्रोल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है, लेकिन तब से लेकर अब तक कच्चा तेल 30 डॉलर प्रति बैरल से ज्यादा महंगा हो गया है।

आईफोन यूजर्स का गुस्सा फूटा

सोशल मीडिया पर लिखा, आईओएस 15.4 अपडेट के बाद बैटरी तेजी से खत्म हो रही

फेस अनलॉक फीचर का अब फायदा नहीं

नई दिल्ली

एपल ने पिछले सप्ताह सभी यूजर्स के लिए iOS 15.4 अपडेट रोलआउट किया था। इस अपडेट में फेस अनलॉक समेत कई नए फीचर्स मिल रहे हैं। हालांकि, नए अपडेट के बाद आईफोन की बैटरी तेजी से खत्म होने की शिकायत सोशल मीडिया पर आ रही है। कुछ यूजर्स ने अपने ट्विटर हैंडल से रिपोर्ट किया है कि एपल आईफोन 13 सीरीज के डिवाइस में नया अपडेट इंस्टॉल करने के बाद बैटरी ड्रेन की समस्या आ रही है। एक रेडिट थ्रेड के मुताबिक, ज्यादातर यूजर ने सिस्टम अपडेट के बाद बैटरी ड्रेन की समस्या को उजागर किया है। फोन एरेना की रिपोर्ट के मुताबिक, नए अपडेट के बाद आईफोन में बैटरी ड्रेन की समस्या काफी बढ़ी है।

आईफोन 13 प्रो मैक्स में सबसे दमदार बैटरी

यूजर्स ने रिपोर्ट किया है कि आईफोन 13 और आईफोन 13 प्रो मैक्स का सिस्टम अपडेट करने के बाद बैटरी जल्दी खत्म होने लगी है। पहले फोन की बैटरी एक बार फुल चार्ज करने पर एक दिन आराम से चल जाती थी। नए अपडेट के बाद यूजर को दोबारा से फोन को चार्ज करना पड़ रहा है। आईफोन 13 सीरीज के आईफोन 13 प्रो मैक्स में 4,352mAh की बैटरी दी गई है, जो अब तक लॉन्च हुए सभी आईफोन के मुकाबले बड़ी है।

कंपनी ने 2030 तक लग्जरी ईवी लॉन्च करने का प्लान बनाया

नई दिल्ली

सभी ऑटोमोबाइल कंपनियां ईवी सेगमेंट में अपनी पकड़ मजबूत करना चाहती हैं। इसके लिए कुछ कंपनियां इलेक्ट्रिक व्हीकल लॉन्च कर चुकी हैं। तो कुछ आने वाले दिनों में लॉन्च करने की तैयारी में हैं। हुंडई मोटर्स की कोना ईवी पहले से मार्केट में आ रही है, लेकिन वो अपने ईवी सेगमेंट को मजबूत बनाने के लिए 2030 तक 8 नई ईवी लॉन्च करेगी। ये सभी लग्जरी ईवी होंगी। कंपनी ने ये भी कहा है कि अब उसका फोकस इलेक्ट्रिक कारों पर ही रहेगी। हुंडई 2025 में अपनी आखिरी इंटरनल कम्बशन इंजन कार लॉन्च करेगी। इसी साल कंपनी अपनी इलेक्ट्रिक इलेक्ट्रिक कार लॉन्च करेगी। 2030 तक कंपनी 17 नए मॉडल लॉन्च करेगी जिसमें से 8 पूरी तरह लग्जरी इलेक्ट्रिक कारें होंगी। इन कारों को एक कॉमन प्लेटफॉर्म पर तैयार किया जाएगा। जेनेसिस की मूल कंपनी हुंडई मोटर्स अपनी Ioniq इलेक्ट्रिक कारों को कॉमन मॉडुलर प्लेटफॉर्म पर डेवलप कर रही है, जिसका उपयोग Ioniq 5 और Ioniq 6 जैसी इलेक्ट्रिक कारों में किया गया है।

रेल माल ढुलाई के लिए ग्रीन पॉइंट

नई दिल्ली

वैश्विक कॉरपोरेट विमर्श में जलवायु के बढ़ते खयाल का फायदा उठाने के लिए भारतीय रेलवे एक रेटिंग प्रणाली ला रहा है। इसमें उन कंपनियों को %रेल ग्रीन पॉइंट% (आरपीजी) दिए जाएंगे, जो माल ढुलाई के लिए सड़क परिवहन के बजाय रेलवे को चुनती हैं। सड़क परिवहन में चार गुना अधिक कार्बन उत्सर्जन होता है। रेल मंत्रालय के सूत्रों ने कहा, माल ढुलाई कराने वालों को पता होना चाहिए कि उन्होंने सड़क के बजाय रेल परिवहन का विकल्प चुनकर कितना कार्बन उत्सर्जन बचाया है। कार्बन बचत का अनुमान प्रति टन कार्बन डाई ऑक्साइड में लगाया जाएगा और ग्राहकों को रेल ग्रीन पॉइंट मुहैया कराए जाएंगे। प्रत्येक माल ढुलाई ग्राहक का रेल ग्रीन पॉइंट खाता माल ढुलाई परिचालन सूचना प्रणाली (एफओआईएस) में रखा जाएगा।% हालांकि भारतीय रेलवे इन ग्रीन पॉइंटों के बदले में किसी तरह का वित्तीय लाभ नहीं देगा मगर उसे उम्मीद है कि वह कंपनियों को अच्छा महसूस करने के लिए सड़क परिवहन से दूरी बनाने के लिए मनाने में सफल रहेगा। अधिकारी ने कहा कि कंपनियां शायद ये रेटिंग अपने संवाद और सालाना रिपोर्ट में दिखाएं। द एनर्जी ऐंड रिसोर्स इंस्टीट्यूट (टेरी) को ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन कैलकुलेटर विकसित एवं संशोधित करने की जिम्मेदारी दी गई है। मौजूदा स्तरों की बात करें तो सड़क परिवहन से 1 टन माल 1 किलोमीटर तक ढोने में 0.040 किलोग्राम तक कार्बन डाई ऑक्साइड निकलती है। इसके उलट रेलवे केवल 0.009 किलो यानी उसका 23 फीसदी ही उत्सर्जन करता है। अधिकारी ने कहा कि यह अंतर या रेलवे को चुनने से कार्बन बचत आरजीपी के रूप में दिए जाएंगे। यह कदम ऐसे समय उठाया जा रहा है, जब भारतीय रेलवे देश भर में कुल माल ढुलाई में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने की दिशा में काम कर रहा है। राष्ट्रीय रेल योजना (एनआरपी) के तहत रेलवे ने देश की कुल माल ढुलाई में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाकर 45 फीसदी करने का लक्ष्य तय किया है, जो इस समय 26 से 27 फीसदी है। कंपनियों को सड़क परिवहन के बजाय रेल सेवाएं लेने के लिए लुभाने का प्रयास ऐसे समय किया जा रहा है, जब रेलवे अपने माल ढुलाई बास्केट में विविधता लाने की कोशिश में जुटा हुआ है। इस समय भारतीय रेलवे के माल ढुलाई बास्केट में कोयले और लौह अयस्क का दबदबा है, जिनका कुल माल ढुलाई में संयुक्त रूप से 60 फीसदी से अधिक हिस्सा है। रेलवे ने फरवरी तक 127.8 करोड़ टन माल की ढुलाई की है और इसे चालू वित्त वर्ष में 140 करोड़ टन का स्तर पार करने का पूरा भरोसा है। विश्व बैंक के मुताबिक भारत में 60 फीसदी माल की ढुलाई सड़कों से होती है।

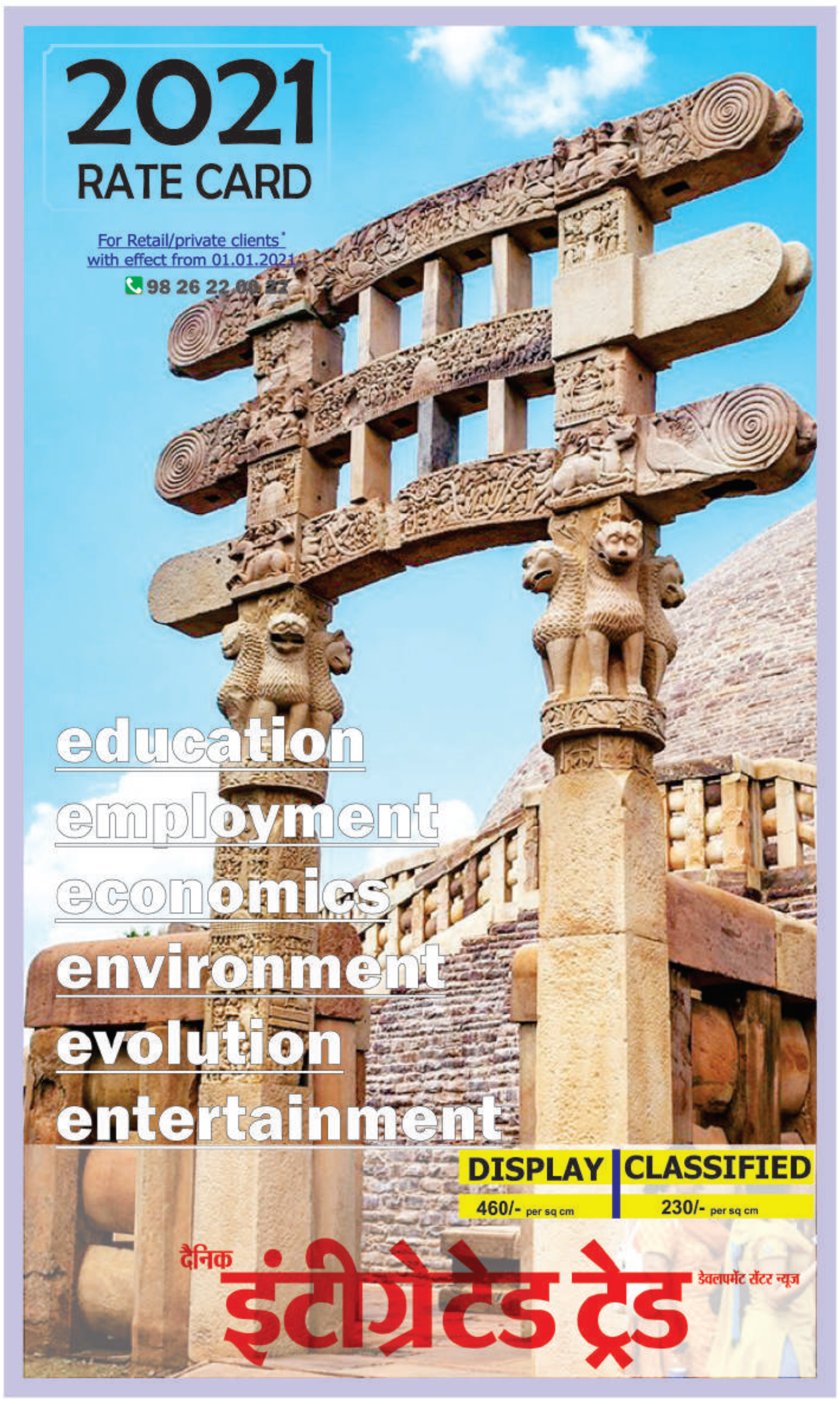

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलप सेंटर न्यूज के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हलपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91 जहांगीराबाद भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र।
आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, फोन- 0755-42223334, पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। (सभी विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल होगा।)